RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

# स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-210 जयपुर, शनिवार, 31 जनवरी 2026 मूल्य-4 रुपये

## साध्वी को संदिग्ध परिस्थिति में मौत के बाद समाधि

बाड़मेर।

राजस्थान की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा (23) की विवादित मौत के बाद आज उन्हें समाधि दी गई। बाईसा को बुधवार को जोधपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। कुछ मिनटों बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया था। प्रेम बाईसा के पिता वीरमनाथ का दावा है कि उन्हें केवल मामूली जुकाम था। जोधपुर के ही आश्रम में उन्हें एक इंजेक्शन लगाया गया था, इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। हॉस्पिटल में मौत के बाद उनका एक कथित सुसाइड नोट सामने आया था। इसके बाद साध्वी से जुड़ा पुराना ब्लैकमेलिंग केस फिर चर्चा में आ गया है। वहीं, कई भक्तों ने उनके पिता की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

13 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया पर साध्वी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में वे एक व्यक्ति से गले मिलते नजर आ रही थीं। इसे अश्लील बताकर प्रचारित किया गया था।

### सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में सैनेटरी नैपकिन और साफ शौचालयों को लड़कियों का सवैधानिक अधिकार घोषित किया

# सभी स्कूलों में मुफ्त सैनेटरी नैपकिन देने का आदेश, नहीं तो रद्द होगी मान्यता

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया कि हर स्कूल में लड़कियों को फ्री में सैनेटरी पैड बांटना अनिवार्य होगा। लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग वॉशरूम बनाने होंगे। जो स्कूल ऐसा नहीं कर पाएंगे, उनकी मान्यता रद्द की जाएगी।

इसके साथ ही कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि हर स्कूल में दिव्यांगों के अनुकूल (डिसेबल फ्रेंडली) टॉयलेट बनाए जाएं।

केंद्र सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता नीति (Menstrual Hygiene Policy) को पूरे देश में लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में पिछले 4 सालों से सुनवाई चल रही थी। कोर्ट ने आज सिर्फ फैसला सुनाया है। सोशल वर्कर जया ठाकुर ने 2022 में एक जनहित याचिका लगाई थी। उनकी मांग थी कि मेन्स्ट्रुयल हाइजीन पॉलिसी को पूरे देश में लागू किया जाए।



**प्राइवेट और सरकारी स्कूलों के लिए कड़े निर्देश**

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करना सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि निजी स्कूलों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि हर स्कूल में लड़कियों के लिए अलग और साफ शौचालय हो जिसमें पानी और साबुन की पूरी व्यवस्था रहे। इसके साथ ही सभी स्कूलों में अच्छी क्वालिटी के बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्कूलों में एक खास मेंस्ट्रुअल हाईजीन मैनेजमेंट (एमएचएम) कॉर्नर बनाया जाए, जहां छात्राओं को जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त यूनिफॉर्म और डिस्पोजेबल बैग जैसी सुविधाएं मिल सकें।

अगर स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग टॉयलेट नहीं हैं तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 (बराबरी का अधिकार) का उल्लंघन है। अगर लड़कियों को सैनिटरी पैड नहीं मिलते तो वे लड़कों की तरह बराबरी से पढ़ाई और गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले पातीं। मासिक धर्म के दौरान सम्मानजनक सुविधा मिलना संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) का हिस्सा है। अगर लड़कियों को उचित सुविधा नहीं मिलती तो उनकी गरिमा और निजता प्रभावित होती है।

कोर्ट ने कहा कि यह आदेश सिर्फ कानूनी व्यवस्था से जुड़े लोगों के लिए नहीं है। यह उन क्लासरूम के लिए भी है, जहां लड़कियां मदद मांगने में झिझकती हैं। यह उन टीचर्स के लिए है, जो मदद करना चाहते हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण बंधे हुए हैं। यह उन माता-पिता के लिए भी है, जो शायद यह नहीं समझ पाते कि उनकी चुप्पी का क्या असर पड़ता है।

यह समाज के लिए भी है, ताकि प्रगति का पैमाना इस बात से तय हो कि हम अपने सबसे कमजोर वर्ग की कितनी सुरक्षा करते हैं। हम हर उस बच्ची तक यह संदेश पहुंचाना चाहते हैं, जो स्कूल में अनुपस्थिति की शिकार बनी, क्योंकि उसके शरीर को बोझ की तरह देखा गया, जबकि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है।

### पीरियड में लड़कियां स्कूल नहीं जातीं

सोशल वर्कर जया ठाकुर ने 2022 में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर करके लड़कियों के स्वास्थ्य सुरक्षा पर चिंता जताई थी। याचिका में बताया था कि पीरियड में होने वाली दिक्कतों के कारण कई लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं, क्योंकि उनके परिवार के पास पैड पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं होते। उन दिनों (मासिक धर्म के दिनों में) कपड़ा यूज करके स्कूल जाना परेशानी का कारण बनता है।

स्कूलों में भी लड़कियों के लिए फ्री पैड की सुविधा नहीं है। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इतना ही नहीं, स्कूलों में यूज्ड पैड को डिस्पोजल करने की सुविधा भी नहीं है, इस वजह से भी लड़कियां पीरियड्स में स्कूल नहीं जा पातीं।

## जर्जर स्कूल भवन गिराए जाएंगे, थर्ड पार्टी ऑडिट होगा: दिलावर

जयपुर

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान जर्जर स्कूल भवनों के मुद्दे पर हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- स्कूल भवन जर्जर हैं, लेकिन सरकार का ध्यान नहीं है। मंदिरों और मुर्गी फार्म में स्कूल चल रहे हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- जितने भी जर्जर स्कूल भवन हैं, उनको जमींदोज किया जाएगा। उनको हटाया जाएगा, क्योंकि वार्षिक परीक्षा नजदीक है।

दिलावर ने कहा- हम तय कर रहे हैं कि निर्माण, मरम्मत करने और अंतिम तिथि भी होगी, ताकि सरकार को ध्यान रहे कि कौनसी बिल्डिंग कब जमींदोज करनी है।

मंत्री ने कहा- अब तक 30 करोड़ तक के भवनों की थर्ड पार्टी ऑडिट होता था। अब सभी स्कूल भवनों का पॉलिटेक्निक कॉलेज से थर्ड पार्टी ऑडिट करवाएंगे। ताकि बिल्डिंग सही बन रही है कि नहीं बन रही है, यह पता लग जाए।

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान SIR में गड़बड़ी का मुद्दा गूंजा। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष और ससंदीय कार्य मंत्री के बीच जमकर नोकझोंक हुई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि हम यह पूछ रहे हैं कि जो भी एप्लिकेशन आई, वो कहां से आई। उसमें सजा का प्रावधान है। SIR में जो फर्जी फॉर्म देकर गए, वे कौन थे, इसमें जांच करवा दीजिए।

जूली ने स्ढक्रपर चर्चा करवाने का मुद्दा उठाया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि इस पर कानूनी मामलों के विशेषज्ञों से बात करके फैसला लूंगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस विधायक अमित चाचाण ने कांग्रेस राज में घोषित रोडवेज डिपो को चालू नहीं करने पर परिवहन मंत्री पर सवाल उठाए।

डिप्टी सीएम और परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने पलटवार करते हुए कहा- कांग्रेस सरकार ने बिना वित्तीय प्रावधान केवल खाली घोषणाएं की थीं।

## लूट के आरोप में कॉन्स्टेबल समेत 6 पर मुकदमा दर्ज

**कोटा।** कोटा में एक बार फिर खाकी की साख को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। कानून की रक्षा करने वाले ही जब लूट जैसी संगीन वारदात में शामिल पाए गए, तो पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एक पुलिसकर्मी ने प्राइवेट व्यक्तियों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दिया, जिसकी शिकायत परिवादी ने सीधे एसपी ऑफिस में की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉन्स्टेबल मनीष यादव सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने खाकी ड्रेस पहने व्यक्ति पर आरोप लगाया है। इसमें कुल 6 लोग शामिल है। अभी एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर में नामजद लोग है। उनमें दो को डिटेन किया गया है। अभी हम पहचान परेड करवाएंगे। उसके बाद सस्पेंड ही नहीं, गिरफ्तार भी करेंगे। जानकारी के अनुसार, पूरा मामला नशे की खेप जब्त करने से जुड़ा है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ये साफ नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले पुलिस कर्मी मनीष यादव को मुखबिर के जरिए नशे की तस्करी की सूचना मिली थी। पुलिसकर्मी ने प्राइवेट व्यक्तियों को पैसे का लालच देकर अपने साथ लिया।

# कोहरे के कारण टकराईं गाड़ियां, 3 की मौत

### प्रदेश में फिर बारिश-ओले गिरने की चेतावनी

जयपुर

राजस्थान आज भी घने कोहरे की चपेट में है। कोहरे के कारण भीलवाड़ा जिले में नेशनल हाईवे-58 पर 5 से ज्यादा गाड़ियां टकरा गईं। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 6 से ज्यादा लोग घायल हैं। एक्सीडेंट के कारण भीलवाड़ा-उदयपुर हाईवे पर जाम लग गया है। घायलों के लिए पहुंची एम्बुलेंस भी जाम में फंस गई। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में कोहरे की चेतावनी दी थी।

मौसम विशेषज्ञों ने बताया- 31 जनवरी से एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। जिसके असर से राजस्थान के पूर्वी हिस्सों (जयपुर, भरतपुर, बीकानेर और कोटा संभाग) के जिलों में बादल छा सकते हैं। कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। इस सिस्टम का असर 2 फरवरी तक रहेगा। शुक्रवार सुबह भीलवाड़ा में कम विजिबिलिटी के कारण नेशनल हाईवे-58 पर हादसा हुआ। एक्सीडेंट में एक के बाद एक 6 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। गाड़ियों में फंसे 3 लोगों की मौत हो गई। गाड़ियों में फंसे घायलों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया है। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। कई घायल चीखते-चिल्लाते गाड़ियों से मदद मांगते नजर आए।

दरअसल, 27 जनवरी को हुई मावठ के बाद प्रदेश के अधिकतर जिलों में सुबह कोहरा छा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर नेशनल हाईवे के ट्रैफिक पर हो रहा है।

सुबज जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर भी सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर के करीब रही। सीकर, चूरू, अलवर, कोटा में भी घना कोहरा रहा।

## ट्रेलर और टेम्पो की आमने-सामने टक्कर में तीन लोगों की मौत

### ट्रेलर की टक्कर से तीनों टेम्पो में दब गए थे

नागौर

नागौर में हुए एक सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत मां की मौत हो गई। हादसा इतना भयंकर था कि ट्रेलर और टेम्पो की हुई आमने-सामने की टक्कर में तीनों टेम्पो में ही दब गए थे।

हादसा जिले के मुंडवा मार्ग पर ईनाणा गांव के पास हुआ। एक्सीडेंट के बाद ट्रेलर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। टेम्पो में सवार तीनों लोग नागौर के जेएलएन हॉस्पिटल में चेकअप के लिए आए थे।

जानकारी के अनुसार मृतक परिवार मुंडवा का ही रहने वाला था। रुस्तम (26) की मां चुका (46) को कुछ दिनों से बुखार की शिकायत थी।

इस पर शुक्रवार को रुस्मत अपनी मां चुका और पत्नी गुलशन (24) के साथ नागौर के जेएलएन हॉस्पिटल आया था। टेम्पो रुस्तम का ही था। मां को दिखाकर तीनों टेम्पो से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ईनाणा गांव के पास ट्रेलर ड्राइवर ओवरटेक के लिए गलत दिशा में ले गया। सामने से आ रहे टेम्पो को टक्कर मार दी। ट्रेलर की टक्कर लगते ही उसके परखच्चे उड़ गए और तीनों टेम्पों में ही दब गए।

# अजित पवार की पत्नी महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम बनेंगी

### एनसीपी नेता फडणवीस से मिले, अजित के विभाग मांगे

मुंबई/पुणे

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम होंगी। सूत्रों के मुताबिक शनिवार को एनसीपी के विधायक दल की बैठक के बाद इसका ऐलान किया जाएगा। शाम 5 बजे शपथ ले सकती हैं।

अजित की प्लेन क्रैश में मौत के बाद उपमुख्यमंत्री पद खाली हो गया है। अजित के पास वित्त,



आबकारी और खेल विभाग के साथ-साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर का पद भी था। सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय सीएम फडणवीस के पास रह सकता है।

यह भी दावा भी किया जा रहा है कि अजित पवार एनसीपी के दोनों गुट के जिस मर्जर पर बातचीत कर रहे थे, उस पर आखिरी फैसला शरद पवार लेंगे।

एनसीपी विधायक दल-विधान परिषद सदस्यों की दोपहर 2 बजे मुंबई में बैठक होगी। बैठक के बाद दोपहर सुनेत्रा पवार के नाम का ऐलान किया जाएगा। सुनेत्रा पवार शाम 5 बजे डिप्टी सीएम की शपथ ले सकती हैं।

अजित पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार को राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा है, हालांकि इस मामले में अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

अजित के करीबी किरण गुजर ने बताया कि वे दोनों गुटों को मिलाने के लिए 100% उत्सुक थे। उन्होंने पांच दिन पहले कहा था कि प्रक्रिया पूरी हो गई है और अगले कुछ दिनों में विलय होने वाला है। गुजर ने कहा कि अजीत के पास विलय और एकजुट एनसीपी के भविष्य के लिए एक रोडमैप तैयार था। एनसीपी के सीनियर नेता जयंत पाटिल ने भी कहा है कि विलय को लेकर अजित दादा और उनके बीच कई बैठकें हो चुकी थी। अजित इसे लेकर सकारात्मक थे। जिला परिषद चुनाव के बाद इस पर अंतिम निर्णय होना था। अजित दादा ने कहा था पहले स्थानीय निकाय के चुनाव गठबंधन करके लड़ा जाए, विलय का फैसला चुनाव के बाद लेंगे।

## पालतू कुत्ते का महिला पर हमला, 50 से ज्यादा टांके आए

**बेंगलुरु।** कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मॉर्निंग वॉक के दौरान एक महिला पर पालतू कुत्ते ने जानलेवा हमला कर दिया। उनकी गर्दन, चेहरे, हाथों और पैरों पर काट लिया। साथ ही महिला को बचाने आए एक युवक पर भी हमला किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की हालत गंभीर थी। उसके चेहरे और सिर पर 50 से ज्यादा टांके आए हैं।

# पोकरण से आईएसआई एजेंट गिरफ्तार सेना की गोपनीय सूचनाएं भेजने का आरोप

### सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था आरोपी

**जयपुर।** राज. पुलिस की इंटेलिजेंस विंग ने सरहदी जिले



जैसलमेर के पोकरण क्षेत्र में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार किया। उसे भारतीय सेना से जुड़ी सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं सीमा पार भेजने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार ने बताया राज्य में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। इसी दौरान इंटेलिजेंस को सूचना मिली कि पोकरण के थाना सांकड़ा अंतर्गत नेडान गांव निवासी झबराराम (28) की गतिविधियां संदिग्ध हैं। तकनीकी जांच में सामने आया कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार पाक हैंडलर्स के संपर्क में बना हुआ था। पूछताछ और मोबाइल के तकनीकी परीक्षण में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी झबराराम को पाक एजेंसियों ने हनीट्रैप व धनराशि का लालच दिया था। इस लालच में आकर वह भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। इतना ही नहीं, उसने अपने नाम से जारी सिम कार्ड का ओटीपी पाक हैंडलर्स को देकर व्हाट्सएप एक्टिवेट करवाया, जिसका उपयोग देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था। एडीजी कुमार ने बताया संदेह पुख्ता होने पर झबराराम को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र जयपुर लाया गया।

## त्रिपुरा सुंदरी मंदिर की धर्मशाला में सीबीआई की रेड

### करोड़ों का लोन लेने वाला भगोड़ा नाम बदलकर रूका था

बांसवाड़ा

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की टीम ने गुरुवार को त्रिपुरा सुंदरी मंदिर की धर्मशाला में रेड की। इस रेड में टीम ने बैंकों से लोन लेकर करोंड़ों रुपए की ठगी करने वाले भगोड़े आरोपी संजीव दीक्षित को गिरफ्तार किया है।

आरोपी संजीव दीक्षित पिछले तीन दिनों से मंदिर की धर्मशाला में नाम बदलकर रह रहा था। आरोपी जिस कमरे में सो रहा था, उसी के पास वाले कमरे में टीम पूरी रात रुकी थी। सुबह 5 बजे सीबीआई के अधिकारियों ने बांसवाड़ा पुलिस को



फोन कर जाब्ता बुलाया और10 साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। संजीव ने फर्जी डॉक्यूमेंट पर बैंकों से 20 से 25 करोड़ का लोन लेकर उसे चुकाया नहीं और 10 साल से फरार चल रहा था।

दरअसल, सीबीआई टीम को जानकारी मिली थी कि आरोपी संजीव दीक्षित नाम बदलकर त्रिपुरा सुंदरी गया हुआ है।

गुरुवार रात 9 बजे टीम पहुंची और पड़ताल की तो पता चला कि संजय भारद्वाज के नाम वे वह 54 नंबर कमरे में रुका हुआ है।

इस पर टीम ने उसे रात में गिरफ्तार करने की बजाय दिन में पकड़ने का प्लान बनाया। टीम ने आरोपी के पास वाला 53 नंबर रूम बुक किया और वहां रुके। पूरी रात टीम ने उस पर नजर रखी।

शुक्रवार अलसुबह 5 बजे सदर थाना पुलिस के जाब्ते के साथ टीम ने धावा बोलकर उसे धर दबोचा। आरोपी के पास से 5 मोबाइल और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद हुए हैं।

यूपी के बागपत का रहने वाला संजीव दीक्षित बेहद शातिर है। वह पंकज भारद्वाज और संजय शर्मा जैसे अलग-अलग नामों से फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंकों को चूना लगा रहा था। सीबीआई ने इसी मामले से जुड़े एक अन्य केस में आरोपी की पत्नी आरती शर्मा को भी वड़ोदरा से गिरफ्तार किया है।

### महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि, मोदी ने श्रद्धांजलि दी

# महात्मा गांधी व्यक्तित्व सदैव कर्तव्य पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा

नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आज 78वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा - राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर मेरा शत-शत नमन। पूज्य बापू का हमेशा स्वदेशी पर बल रहा, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का भी आधारस्तंभ है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

लोकसभा में नेता विपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ङ्ग पोस्ट में लिखा- राष्ट्रपिता ने हमें



मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है।

शुक्रवार शाम को पीएम मोदी और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन दिल्ली में गांधी स्मृति पहुंचे। यहां प्रार्थना सभा में शामिल हुए। पीएम और उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपिता गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

### राहुत गांधी बोले- सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती

राहुल गांधी ने ङ्ग पर लिखा कि महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं। वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की।

मगर राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है। हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर BJP पर तंज कसा। उन्होंने ङ्ग पर पोस्ट कर बिना नाम लिए पूर्व जज और BJP सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय की महात्मा गांधी और नाथूराम गोडसे को लेकर की गई टिप्पणी की आलोचना की।

जयराम रमेश ने लिखा कि महात्मा गांधी की हत्या से दो दिन पहले जवाहरलाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा था। इसके कुछ महीनों बाद, 18 जुलाई 1948 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पत्र लिखा था। इन दोनों पत्रों में स्वयं को राष्ट्रवाद का स्वघोषित संरक्षक बताने वालों पर बेहद गंभीर आरोप हैं।

यह सोचकर हैरानी होती है कि उसी विचारधारा से जुड़े एक लोकसभा सांसद, जिन्हें प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने यह कहा कि वह गांधी और गोडसे में से किसी एक को नहीं चुन सकते। उनकी यह मानसिकता बहुत कुछ स्पष्ट कर देती है।

## अब पंजाब-हरियाणा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मौके पर फायर ब्रिगेड मौजूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर के प्रमुख 30 स्कूलों को मिली बम की धमकी के एक दिन बाद ही गुरुवार को पंजाब-हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया और पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। जानकारी अनुसार पंजाब-हरियाणा सचिवालय को 29 जनवरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले बुधवार को शहर के 30 प्रमुख स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बरत रहीं हैं। सचिवालय को मिली धमकी के तुरंत बाद ही चंडीगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। सचिवालय परिसर को खाली करवाया गया और गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। सचिवालय एक तरह से छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस के आला अधिकारी खुद भी मौके पर पहुंचे हैं और चप्पे-चप्पे पर तलाशी अभियान चलाया गया है। वैसे इस धमकी से पहले स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी को देखते हुए गहन जांच की गई थी, जिसमें धमकियों को अफवाह करार दिया गया था। बहरहाल लगातार मिल रही धमकियों के लिंग को खोजा जा रहा है और पता लगाया जा रहा है कि क्या इन तमाम धमकियों का कहीं कोई एक ही लिंक तो नहीं है।

## आग का गोला बनी निजी बस, यात्रियों में दहशत और अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक प्राइवेट बस आग के गोला में तब्दील हो गई, जिससे उसमें सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। यह बस होसानगर से बेंगलुरु की ओर जा रही थी, तभी अचानक आग लग गई। गनीमत की बात यह रही कि समय रहते सभी यात्रियों को बस से उतार लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी अनुसार निजी बस में आग लगने का हादसा उस समय हुआ जब यात्री गहरी नींद में सोए हुए थे। अचानक बस के इंजन से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई। इस बस में कुल 36 यात्री सवार थे। चलती बस में आग तेजी भड़की लेकिन चालक ने सूझबूझ से काम लिया और बस को रोड के किनारे लगा दिया। आग लगी देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और वे खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलने लगे। इस अफरा-तफरी में कुछ यात्री घायल हो गए, लेकिन बड़ा हादसा टल गया। आग इतनी भयानक थी कि फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में करीब 10 यात्रियों को मामूली चोट आई हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। फिलहाल राहत की बात यह रही, कि हादसे में किसी की जान जाने की कोई खबर अब तक नहीं मिली है। आग के कारण यात्रियों का सामान और बैग्स जलकर राख हो गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

## सबरीमाला मंदिर सोना चोरी मामले में बड़ा खुलासा, रसायनों के जरिए गायब की गई सोने की परत

सबरीमाला (एजेंसी)। भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध धाम सबरीमाला मंदिर में हुए कथित सोना चोरी मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है। जिसे अब तक ढांचागत चोरी या अंतरराष्ट्रीय गिरोह की बड़ी साजिश माना जा रहा था, वह वास्तव में रसायनों के जरिए अंजाम दी गई एक शातिर वैज्ञानिक ठगी निकली है। इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के वैज्ञानिकों द्वारा की गई हाई-टेक जांच में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि मंदिर के गर्भगृह के दरवाजों को बदला नहीं गया था, बल्कि उन पर चढ़ी सोने की बेशकीमती परत को रसायनों के माध्यम से निकाल लिया गया। बुधवार को केरल हाईकोर्ट में पेश की गई वैज्ञानिकों की रिपोर्ट ने उन पुरानी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि असली दरवाजों को हटाकर वहां पीतल या नकली चादरें लगा दी गई हैं। वैज्ञानिकों ने अपनी बारीकी जांच में पाया कि गर्भगृह के लकड़ी के फ्रेम और उन पर लगी तांबे की मूल शीट बिल्कुल वही हैं जो पहले थीं। हालांकि, इन तांबे की शीटों पर अब सोने की मात्रा लगभग शून्य हो गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस चोरी को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया। चोरों ने पारे और विशेष खतरनाक रासायनिक घोलों का उपयोग कर तांबे की सतह से सोना खींच लिया, जिससे शीटों का रंग और उनकी रासायनिक बनावट बदल गई। यह खुलासा मंदिर प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी बनकर उभरा है। अब जांच की दिशा उन तकनीकी जानकारों और विशेषज्ञों की ओर मुड़ गई है, जिन्हें रसायनों के इस खतरनाक खेल की गहरी समझ है। इस घटना ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और वहां मौजूद बहुमूल्य धातुओं के संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की हत्या के आरोपी को गोली मारी, मौत

मोहाली,(एजेंसी)। पंजाब के मौहाली में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की 2020 में हुई हत्या के आरोपियों में से एक की गोली मारकर हत्या की है। घटना मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम गुरविंदर सिंह उर्फ लम्बड़ था। गुरविंदर अपनी पत्नी के साथ चार किलोग्राम अफीम बरामदगी के मामले की सुनवाई के लिए अदालत आया था। सुनवाई के बाद जब वह अपनी कार के पास पहुँचा, तब दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी ने अपनी शिकायत में बताया कि गुरविंदर को पहले से गोल्डी बराड़ से धमकियां मिल रही थीं। सोशल मीडिया पर एक अपुष्ट पोस्ट में गैंगस्टर गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा और विक्की पहलवान ने इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए गुरविंदर की हत्या को उसके चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ की 2020 में हुई हत्या से जोड़ा। विदेश में रहने वाले गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ को 2020 में चंडीगढ़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रूपनगर रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नानक सिंह ने बताया कि गुरविंदर का आपराधिक रिकॉर्ड था और उसका नाम गुरलाल बराड़ हत्याकांड में भी सामने आया था।

# मौसम की दोहरी मार: उत्तर में शीतलहर और कोहरे की मार, दक्षिण में भारी बारिश का अलर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के मौसम का मिजाज एक बार फिर तेजी से बदलने वाला है, जिसका व्यापक असर पहाड़ों से लेकर मैदानी और तटीय इलाकों तक देखने को मिलेगा। कहीं कड़ाके की ठंड लोगों को कंपकंपी छुड़ा रही है, तो कहीं लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने एक नया अलर्ट जारी किया है, जिसने आने वाले दिनों के लिए चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 29, 30 और 31 जनवरी को देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, घना कोहरा और आंधी-तूफान आने की प्रबल संभावना है।

इस मौसमी बदलाव का मुख्य कारण एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों-विशेषकर राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख-में मौसम अचानक करवट लेगा। 30 जनवरी की रात से यह विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक देगा, जिससे कई राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चलेंगी। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट आएगी, जिससे ठंड का प्रकोप बढ़ना तय है। मैदानी इलाकों, विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में 29 जनवरी को सुबह के समय कड़ाके की ठंड के साथ हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन कोहरे का कहर जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बरेली, बहराइच और कुशीनगर समेत करीब 18 जिलों में रेड अलर्ट जैसी स्थिति रह सकती है, जहाँ विजिबिलिटी (दृश्यता) बेहद कम होने से यातायात प्रभावित होगा। राजस्थान में 31 जनवरी और 1 फरवरी को बारिश के साथ मौसम पूरी तरह बदलने का अनुमान है।

पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी के चलते सड़क संपर्क बाधित होने की आशंका है, जिससे पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने किसानों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है ताकि वे अपनी तैयार फसलों को पाले और अचानक बारिश से बचा सकें।

दूसरी ओर, दक्षिण भारत में मौसम का बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल रहा है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और रायलसीमा में अगले तीन दिनों तक भारी से मध्यम बारिश की चेतावनी दी गई है। तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठने का अनुमान है। तमिलनाडु के आंतरिक जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। केरल के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है, जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने और आम लोगों को खराब मौसम के दौरान यात्रा टालने की सख्त हिदायत दी गई है। कुल मिलाकर, जनवरी का अंत पूरे देश के लिए मौसमी चुनौतियों से भरा रहने वाला है।

## हिमाचल में बर्फ देखने उमड़े पर्यटक, सड़कों पर ट्रैफिक जाम, रोज 15 हजार वाहन पहुंच रहे

शिमला (एजेंसी)। शिमला और मनाली पर्यटकों से पूरी तरह पैक है। बर्फबारी थमने के बाद जैसे-जैसे सड़कें बहाल हो रही है, पर्यटक अब शिमला के नालदेहरा, कुफरी, महासू पीक, मनाली के सोलंगनाला और चंबा के डलहौजी तक पहुंचना लगे हैं। हिमाचल प्रदेश में बर्फ के फोटो-वीडियो वायरल होते ही देशभर से पर्यटकों का पहाड़ों पर जमावड़ा उमड़ने लगा हैं। इन जगह पर टूरिस्ट बर्फ में खेलने, डांस, स्नोमैन बनाने, हॉर्स व यॉक राइडिंग, स्केटिंग, स्नो स्कूटर, पैराग्लाइडिंग और रील्स रिकॉर्ड कर अपनी यात्रा को यादगार बना रहे हैं। दिनभर टूरिस्ट बर्फ में मस्ती कर रहे हैं। इस बीकेंड तक सड़क बहाली के बाद नारकंडा और अटल टनल तक टूरिस्ट पहुंच सकेंगे। बता दें कि शिमला और मनाली के होटलों में 70 से 80 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी हो चुकी है। वीकेंड पर इसके शत-प्रतिशत होने की संभावना है। इसलिए, वीकेंड पर शिमला-मनाली आने वाले टूरिस्ट को एडवांस बुकिंग की सलाह दी जाती है। शिमला के होटेलियर अश्वनी सूद ने बताया कि शिमला में चार साल बाद बर्फबारी हुई है। इससे अगले 15-20 दिन अच्छा टूरिस्ट आने की उम्मीद है। वहीं पुलिस के अनुसार- अकेले शिमला में रोजाना 12 हजार से 15 हजार टूरिस्ट व्हीकल पहुंच रहे हैं। इससे शिमला शहर के साथ साथ छराबड़ा, कुफरी और फागू के बीच भी ट्रैफिक जाम लग रहा है। एक घंटे के सफर में चार से पांच घंटे लग रहे हैं। इससे टूरिस्ट के साथ साथ लोकल भी परेशान है। मनाली में भी बीते एक सप्ताह से पतलीकूहल, 15 व 16 मील से मनाली तक ट्रैफिक जाम टूरिस्ट लग रहा है। मनाली में ट्रैफिक जाम की सबसे बड़ी वजह आसपास के पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें बंद होना भी है क्योंकि भारी हिमपात के कारण जीभी वैली, सोलंग नाला, अटल टनल, कोकसर, केलांग इत्यादि पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें बंद थी। मगर अब सड़कों से बर्फ हटाने का काम जारी है। इससे एक-दो दिन में टूरिस्ट इन सभी पर्यटन स्थलों पर पहुंचना शुरू होगा। तब जाकर मनाली में ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलेगी।

## कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बिगड़े बोल- आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए

**मथुरा(एजेंसी)।** वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर टिप्पणी करते हुए अनिरुद्धाचार्य ने मंच से ऐसा बयान दे दिया, जिस पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे असंवेदनशील बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे कर्तव्य और ईमानदारी से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल कथा के दौरान अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा, कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का विमान हादसे में निधन हो गया, जो बेहद दुखद है। उन्होंने पायलट की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, प्लेन उड़ाने की पूरी जिम्मेदारी पायलट के पास होती है। पायलट के हाथ में प्लेन में सवार सभी लोगों की जान होती है। अगर आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए। अब आप पायलट हैं, आपको प्लेन उतारना है, लेकिन आप प्लेन न उतारकर कुछ और करने लग जाएं तो यह ठीक नहीं है। जो काम है आपका, वही करिए। वही आपकी भक्ति है। अनिरुद्धाचार्य यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए सेना का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, हमारी सेना बॉर्डर पर खड़ी है। सेना का काम है कि सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि न हो। अगर सारे सैनिक उठकर किसी मंदिर में जाकर बैठ जाएं तो व्यवस्था भंग हो जाएगी। सैनिक की ईमानदारी से की गई सेवा ही उसकी भक्ति है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य को ही सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए।

हालांकि, इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने कहा कि एक दुखद हादसे के तुरंत बाद इस तरह की टिप्पणी करना पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति असंवेदनशीलता दिखाता है। कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब हादसे की जांच चल रही है, तब पायलट की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक मंच से टिप्पणी करना उचित नहीं है।

# राहुल गांधी और कनिमोझी के बीच चली घंटे भर बैठक पर गठबंधन के लिए नहीं बन सकी सहमति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर चल रही असहजता के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी और डीएमके सांसद कनिमोझी के बीच एक अहम बैठक हुई। दिल्ली में बुधवार को हुई यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली, लेकिन गठबंधन की कार्ययोजना या सीटों के बंटवारे को लेकर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी।

सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डीएमके की पहल पर हुई थी, ताकि अपने पुराने सहयोगी कांग्रेस के साथ तालमेल को लेकर बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि, बैठक के दौरान किसी भी तरह के आंकड़ों या फार्मूले पर चर्चा नहीं हुई। राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि इस विषय पर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की समिति के साथ बातचीत की जाए और उसी मंच पर गठबंधन से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जाए। कांग्रेस सूत्र बता रहे हैं, कि बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, लेकिन निर्णय आगे की बातचीत पर छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में करीब दो दशक पुराने इस गठबंधन में इस बार तनाव की स्थिति है। इसकी मुख्य वजह कांग्रेस की राज्य इकाई की ओर से सरकार में हिस्सेदारी की मांग बताई जा रही है, जिसे डीएमके ने स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस के भीतर कुछ नेताओं ने झारखंड मॉडल की तर्ज पर तमिलनाडु में भी सत्ता में भागीदारी की मांग उठाई है। इसी पृष्ठभूमि में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेतृत्व ने सभी प्रमुख राज्य नेताओं की बैठक बुलाकर उनके विचार सुने। बैठक के बाद यह तय किया गया कि अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस के राज्य प्रभारी गिरीश चोडंकर ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि गठबंधन वार्ता अभी औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुई है और कांग्रेस डीएमके की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा, हम पिछले दो महीनों से इंतजार कर रहे हैं। हमारा विपक्ष काफी आक्रामक तरीके से काम कर रहा है। नवंबर में हमने गठबंधन समिति का गठन किया था और अनुरोध किया था कि 15 दिसंबर तक बातचीत पूरी कर ली जाए, लेकिन अभी तक देरी हो रही है। ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आए हैं, जब तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है, हालांकि भारतीय चुनाव आयोग ने अभी आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में 2021 के चुनावों में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं, जबकि पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य दलों ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत तेज हो सकती है, क्योंकि दोनों दल चुनाव से पहले किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे।

# गणतंत्र दिवस परेड 2026: भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ, राज्यों की झांकियों में महाराष्ट्र अव्वल

### -सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गणतंत्र दिवस परेड 2026 में तीनों सेनाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, अन्य सहायक बलों और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनियों का चयन हो गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तीनों सेनाओं में भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ चुना गया, जबकि सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला।

इसके अलावा राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में महाराष्ट्र की झांकी अव्वल रही, जिसमें 'गणेशोत्सव- आत्मनिर्भरता का प्रतीक' प्रस्तुत किया गया। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जम्मू-कश्मीर और केरल की झांकियां रहीं। जम्मू-कश्मीर की झांकी में हस्तशिल्प और लोकनृत्यों को दिखाया गया, जबकि केरल की झांकी में वॉटर मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता को प्रदर्शित किया गया। केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों की सर्वश्रेष्ठ झांकी का खिताब संस्कृति मंत्रालय ने जीता है। जिसका शीर्षक था 'वंदे मातरम्- एक राष्ट्र की आत्म-ध्वनि'। इसके अतिरिक्त विशेष पुरस्कार सीपीडब्ल्यूडी की झांकी और नृत्य समूह को प्रदान किए गए। जनमत के अनुसार, तीनों सेनाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी के लिए असम रेजिमेंट, जबकि सीएपीएफ में सीआरपीएफ को चुना गया। राज्यों की झांकियों में जनमत के आधार पर गुजरात सर्वश्रेष्ठ, इसके बाद उत्तर प्रदेश और राजस्थान की झांकियां रही। केंद्रीय मंत्रालयों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के तौर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की झांकी को सर्वाधिक पसंद किया गया। गणतंत्र दिवस परेड 2026 ने न केवल सैन्य अनुशासन और प्रदर्शन की उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि सांस्कृतिक विविधता, नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता का संदेश भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। यह परेड नागरिकों और अधिकारियों दोनों के लिए प्रेरणादायक अनुभव साबित हुई।

# झारखंड नगर निकाय चुनाव ईवीएम से नहीं बैलेट पेपर से होंगे

### -चुनाव आयोग ने 18 साल पुरानी व्यवस्था फिर लागू करने का लिया फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नगरीय निकाय चुनाव को लेकर इस बार चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। कई सालों बाद चुनाव में पुरानी व्यवस्था की वापसी हो रही है। इस बार मतदान ईवीएम से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर से कराए जाएंगे। इस बदलाव से न सिर्फ मतदान प्रक्रिया बदलेगी, बल्कि चुनाव परिणाम आने में भी समय लगेगा। चुनाव नतीजों के लिए करीब 72 घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईवीएम से होने वाले चुनावों में जहां मतगणना कुछ ही घंटों में पूरी हो जाती थी, वहीं बैलेट पेपर से मतदान होने से करीब 72 घंटे लग सकते हैं। इससे उम्मीदवारों और समर्थकों की बेचैनी भी बढ़ेगी। इससे पहले 2008 में नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए थे। उस समय मतगणना पूरी होने में करीब तीन दिन का समय लगा था। 2008 के बाद चुनाव प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए नगर निकाय चुनावों में ईवीएम को शामिल किया गया था। इसके बाद हुए दो चुनाव ईवीएम से कराए गए, जिससे मतदान और मतगणना दोनों ही तेजी से पूरी हुई, लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने करीब 18 साल पुरानी बैलेट पेपर प्रणाली को दोबारा लागू करने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बैलेट पेपर प्रणाली के तहत मतदाताओं को इस बार एक ही बैलेट बॉक्स में दो अलग-अलग बैलेट पेपर डालने होंगे। एक बैलेट पेपर महापौर पद के लिए तो दूसरा पार्षद के लिए होगा। ऐसे में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को ज्यादा सतर्क रहना होगा। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर प्रशासनिक चुनौतियां बढ़ेंगी। वहीं परिणाम आने में देरी के कारण उम्मीदवारों की धड़कनें भी तेज होगी। कुल मिलाकर इस बार नगर निकाय चुनाव न सिर्फ मतदान का, बल्कि धैर्य और इंतजार की भी परीक्षा साबित होगा।

# आरक्षण के लिए धर्मांतरण मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीजेआई बोले- यह नया फर्जीवाड़ा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में आरक्षण का लाभ लेने के लिए कथित रूप से किए जा रहे धर्मांतरण के मामलों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने इस प्रवृत्ति को ÷नए किस्म का फर्जीवाड़ा÷ करार देते हुए कहा कि प्रभावशाली और सवर्ण जातियों के लोग केवल अल्पसंख्यक आरक्षण हासिल करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

यह टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची की पीठ ने हरियाणा के हिसार निवासी निखिल कुमार पुनिया से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की। याचिकाकर्ता ने स्वयं को बौद्ध धर्म का अनुयायी बताते हुए अल्पसंख्यक कोटे के तहत शैक्षणिक संस्थान में दाखिले की मांग की थी। सुनवाई के दौरान जब सीजेआई ने याचिकाकर्ता की सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में सवाल किया, तो उसके वकील ने बताया कि वह जाट पुनिया समुदाय से आता है। इस पर सीजेआई ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, आप पुनिया हैं? फिर आप अल्पसंख्यक कैसे हो गए? मैं यह स्पष्ट रूप से जानना चाहता हूं कि आप किस पुनिया समुदाय से हैं? वकील की ओर से यह दलील दी गई कि धर्मांतरण करना याचिकाकर्ता का मौलिक अधिकार है और अब वह बौद्ध धर्म का पालन करता है। इस पर पीठ ने कहा कि केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए किया गया धर्मांतरण धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उपयोग आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने के लिए नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को यहीं समाप्त नहीं किया, बल्कि हरियाणा में अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पीठ ने पूछा है कि अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए राज्य में क्या नियम और दिशा-निर्देश हैं। क्या कोई सामान्य वर्ग का व्यक्ति, जो ईडब्ल्यूएस श्रेणी में भी नहीं आता, केवल धर्म बदलकर अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त कर सकता है? यदि किसी छात्र ने पूर्व में स्वयं को सामान्य श्रेणी का बताया हो, तो क्या वह बाद में लाभ के लिए खुद को बौद्ध अल्पसंख्यक घोषित कर सकता है?

कोर्ट ने कहा कि हरियाणा जैसे राज्यों में जाट समुदाय एक प्रभावशाली वर्ग माना जाता है। यदि इस तरह के मामलों को मान्यता दी गई, तो इससे वास्तविक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन होगा, जिन्हें संरक्षण देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सुप्रीम कोर्ट अब हरियाणा सरकार की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। माना जा रहा है कि यह मामला भविष्य में धार्मिक स्वतंत्रता और आरक्षण के बीच की संवैधानिक सीमा तय करने में एक अहम नजीर बन सकता है।

# अहिंसा सर्किल के अतिक्रमण का मामला उठाने के बाद, सांगानेरी गेट स्थित सामुदायिक भवन के बाहर हुए अतिक्रमण की उठी आवाज

## अंधेरे की आड़ में छलकते जाम, परेशान आम

स्मार्ट हलचल| राजेश जीनगर

**भीलवाड़ा।** सप्ताहभर पहले अहिंसा सर्किल के आस-पास अवैध कार बाजार, चौपाटी, होटलें, सब्जी विक्रेताओं द्वारा किए गए अतिक्रमण का मामला उठाने के बाद लोगों ने बताया कि शहर के सांगानेरी गेट स्थित बने सामुदायिक भवन के हालात भी दयनीय स्थिति में है, यहां भी ध्यान दिए जाने की सख्त आवश्यकता है वर्ना निकट भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी के संकेत हैं। यहां सामुदायिक भवन के बाहर गाडोलिया लोहार के मुख्य सड़क तक कब्जा कर लिए जाने से वैवाहिक आयोजन के दौरान किराया लेने वाले सामुदायिक भवन के बाहर पार्किंग की जगह नहीं होने से खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों ने बताया की वह सामुदायिक भवन का किराया भी वहन करते हैं, लेकिन नगर निगम की अनदेखी उदासीनता के कारण जो सुविधा उन्हें मिलनी चाहिए, वो नहीं मिल पा रहीं हैं तो वहीं सड़क किनारे तक कब्जा किए गाडोलिया लोहार परिवारों पर भी अनियंत्रित वाहनों द्वारा अनहोनी का संकट मंडराया हुआ है। अक्सर इस चौराहे से निजी बसें, रोड़वेज व कारें बहुत तेज गति से गुजरती देखी जा सकती हैं। जिसके चलते किसी बड़ी अनहोनी और जान माल का नुक़सान होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

### प्रशासन की सुस्ती से अहिंसा सर्किल से हलेड सर्किल तक पियक्कड़ों की मौज....

अंधेरा होने के साथ ही अवैध रूप से शराब की बिक्री बढ़ जाती है और अहिंसा सर्किल से हलेड सर्किल तक सड़कों पर पियक्कड़ मौज मस्ती में रहते हैं। इस दौरान किसी भी वाहन चालक द्वारा इन पियक्कड़ों को बचाने के चक्कर में कोई और चपेट में आ जाए तो यही पियक्कड़ वहां हंगामा खड़ा कर देते हैं। ऐसा ही एक मामला कुछ दिन पुर्व सामने आया, जिसमें एक पियक्कड़ गश खाकर गिर पड़ा, लेकिन वहां मौजूद अन्य लोगों ने उस घटना को ऑटो की टक्कर से गिरने की बात कहकर घटना को चालक के माथे जड़ दिया। इतना ही नहीं बल्कि उस ऑटो चालक को लोगों की पिटाई का डर दिखाकर उससे नकदी छीन ली और चलता कर दिया। यह तो एक उदाहरण मात्र है जो सामने आया है। लेकिन पता नहीं अब तक कितनी दफा इस रोड इस तरह की घटनाएं हो चुकी होगी। आसपास के लोगों ने इसे प्रशासन की सुस्ती और जिम्मेदारों की उदासीनता बताया है।

### अवैध रूप से शराब बिक्री को लेकर पुलिस ने चलाया था अभियान, अब ठंडे बस्ते में....

तत्कालीन प्रोबेशनर आईपीएस अधिकारी राहुल कोटोकी ने घरों से अवैध रूप से शराब बिक्री पर शहर के कई इलाकों में दबिश देकर लाखों लीटर शराब जब्त की थी। इस दौरान पंचमुखी बालाजी के आस-पास के क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचने वालों और पुलिस में मुठभेड़ भी हुई थी और दो दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था। उसके बाद से अब तक किसी पुलिस अधिकारी द्वारा या संबंधित थाने द्वारा किसी तरह की कार्यवाही नहीं किया जाना कई तरह के सवाल खड़े करता है तो आबकारी विभाग व पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है की इस तरह की कार्यवाही अब ठंडे बस्ते में क्यों ???

# मांडल में कोहरे के कारण भीषण सड़क हादसा: 3 की मौत, 5 गंभीर घायल

## कलेक्टर-एसपी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों की पूछी कुशलक्षेम

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

मांडल क्षेत्र में कोठारी नदी की पुलिया पर घने कोहरे के कारण शुक्रवार सुबह कई वाहन आपस में टकरा गए। इस भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों में से पांच की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीनों मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाए गए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू एवं जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। जिला कलेक्टर ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि मांडल में पुलिया पर घने कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई थी, जिससे कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में तीन लोगों की मृत्यु हुई तथा पांच जने गंभीर रूप से घायल हुए, जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।साथ ही अस्पताल प्रबंधन को घायलों के समुचित एवं त्वरित उपचार के निर्देश दिए गए है।पुलिस ने घायलों की पहचान तकसीर पुत्र तोकिर (32) निवासी बरेली, जहीर पुत्र इजराइल अहमद (35) निवासी बरेली, खतिफ पुत्र रफीक निवासी बरेली, नीलम पत्नी राकेश गुर्जर (38) निवासी चित्तौड़, गंगादेवी पत्नी लालाराम गुर्जर (70) निवासी चित्तौड़ के रूप में की वही मृतकों की पहचान

पोलूराम पुत्र करणसिंह रावत (45) निवासी माताजी खेड़ा, भिनाय, अजमेर सुनील पुत्र खेमराज कुमावत (33) निवासी कल्याण थाना क्षेत्र, मुंबई और तीसरे मृतक की पहचान राकेश के रूप में की ।मांडल पुलिस ने तीनों मृतकों के परिजनों को सूचना दी ।

# हाईकोर्ट में यूआईटी भीलवाड़ा मामला: अंतरिम आदेश रोक बरकरार

## अगली सुनवाई 10 मार्च

स्मार्ट हलचल|जोधपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की खंडपीठ (माननीय न्यायमूर्ति अरुण मोंगा एवं माननीय न्यायमूर्ति योगेन्द्र कुमार पुरोहित) ने डी.बी. सिविल रिट पिटिशन संख्या 21943/2025 (एडवोकेट हेमेंद्र शर्मा, राघव कोठारी, पवन त्रिपाठी एवं नवीन शर्मा बनाम नगर सुधार न्यास (यूआईटी), भीलवाड़ा सहित इससे संबद्ध डी.बी. सिविल रिट पिटिशन संख्या 22129/2025 एवं 22673/2025 पर सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान प्रतिवादी पक्ष (राज्य सरकार एवं यूआईटी भीलवाड़ा) की ओर से न्यायालय के समक्ष अपना जवाब प्रस्तुत करने हेतु अतिरिक्त समय की मांग की गई। माननीय न्यायालय ने उक्त आग्रह को स्वीकार करते हुए प्रकरण की अगली सुनवाई 10 मार्च 2026 को नियत की। साथ ही न्यायालय ने यह स्पष्ट आदेश पारित किया कि अगली सुनवाई तक पूर्व में पारित अंतरिम आदेश (रोक) यथावत प्रभावी रहेगा, जिससे याचिकाकर्ताओं को पूर्ववत कानूनी संरक्षण प्राप्त रहेगा और प्रतिवादी पक्ष द्वारा कोई नई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। उक्त प्रकरण में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता श्री नमन मोहनोट एवं अधिवक्ता श्री रवि पंवार ने पक्ष रखा, जबकि प्रतिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता श्री आकाश गोयल न्यायालय में उपस्थित रहे।

# रॉन्ग साइड वाहन चलाया तो अब चालान नहीं सीधे दर्ज होगी एफआईआर, भीलवाड़ा पुलिस सख्त, एक टेंपो चालक पर मुकदमा

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

सड़क हादसों पर लगाम कसने के लिए भीलवाड़ा पुलिस ने बड़ा और आक्रामक कदम उठाया है। अब जिले में रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों पर केवल चालान नहीं काटा जाएगा बल्कि सीधे एफआईआर दर्ज कर वाहन जब्त किया जाएगा और अदालत में मुकदमा चलेगा। यह सख्त कार्रवाई महानिदेशक पुलिस यातायात राजस्थान जयपुर के आदेश और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव आईपीएस के निर्देश पर शुरू की गई है।

जिले में 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर कठोर रवैया अपनाने का फैसला किया है। अब रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की जगह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 281 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

इसी कड़ी में 30 जनवरी 2026 को यातायात शाखा के उप निरीक्षक रामपाल ने लोडिंग टेंपो नंबर आरजे 06 जीडी 2365 को कृषि उपज मंडी गेट नंबर एक से जेल चौराहे की ओर रॉन्ग साइड से जाते हुए पकड़ा। वाहन चालक अफजल पठान पिता एजाज पठान निवासी हुसैन कॉलोनी गली नंबर दो भीलवाड़ा के खिलाफ सुभाषनगर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी पर धारा 281 बीएनएस और धारा 184 मोटर वाहन अधिनियम के तहत केस दर्ज कर वाहन जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने आमजन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वाहन चालक अपने वाहन सही दिशा में चलाएं। रॉन्ग साइड वाहन चलाते पाए जाने पर एफआईआर दर्ज होगी वाहन जब्त किया जाएगा और कोर्ट में मुकदमा चलेगा। नियम तोड़ने वालों के लिए अब कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

# कोहरे के चलते गोवंश पर चढ़ा डंपर, एक गोवंश की मौत, रोड जाम

स्मार्ट हलचल| आसींद

नेशनल हाईवे 148घ पर घने कोहरे के चलते शुक्रवार अलसुबह एक बड़ा हादसा हो गया। बजरी से भरे एक डंपर ने किड़िमाल गांव के पास एक के बाद एक तीन गायों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे 1 गोवंश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना अचानक था कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही घटना घटित हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग पर रोजाना बिना नंबर प्लेट के बजरी से भरे वाहन धड़ल्ले से दौड़ते हैं और उनकी रफ्तार तय सीमा से कहीं अधिक होती है। इसी ओवरस्पीड और लापरवाही के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। रोड जाम के कारण नेशनल हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं,जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर शिवपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से समझाइश कर यातायात सुचारु करने के प्रयास किए। इधर, कोहरे के चलते भीलवाड़ा जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से दो हादसों की तस्वीरें सामने आई । एक अन्य हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि इस घटना में 1 गायों की मौत ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। स्मार्ट हलचल की आमजन से अपील है ओर विशेष तौर पर वाहन चालकों से की कोहरे के दौरान वाहन चालक कम गति रखें, फॉग लाइट का प्रयोग करें, सुरक्षित दूरी बनाए रखें और नियमों का पालन करें। प्रशासन से भी मांग है कि बिना नंबर व ओवरस्पीड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके।

# नाबालिग से रेप करने का आरोपित जाफर हुसैन 20 साल के कठोर कारावास और 86 हजार के जुर्माने से दंडित

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** एक नाबालिग लडक़ी का लगातार पीछा कर उसे होटल में ले जाकर रेप करने व अश्लील फोटो व वीडियो बनाने के आरोपित जाफर हुसैन बिसायती को 20 साल के कठोर कारावास और 86 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया है। अहम फैसला, विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट (एक) बालकृष्ण मिश्र ने सुनाया।

विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीरसिंह कानावत ने बताया कि घटना हमीरगढ़ थाना इलाके की है। 17 दिसंबर 2024 को पीडिता ने अपने पिता के साथ थाने जाकर रिपोर्ट दी कि जाफर हुसैन बिसायती करीब एक वर्ष पहले जब वह दसवीं कक्षा में पढ़ रही थी, आये दिन उसका पीछा करता था। मोबाइल नंबर लेकर ब्लैकमेल करना शुरु कर दिया। उसे जबरन खींच कर बाइक पर बैठाकर होटल में ले गया और जबरन रेप किया। अश्लील फोटो व वीडियो बना लिये। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर जबरन रेप करता। इतना ही नहीं आरोपित ने पीडिता की जहां सगाई कर रखी थी, उनको फोन कर सगाई तुड़वा दी। इसका उलाहना देने पर वह झगड़ा करने पर उतारू हो गया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में चार्जशीट पेश की। न्यायालय में ट्रायल के दौरान 34 दस्तावेज पेश कर और 15 गवाहों के बयान करवाकर जाफर हुसैन बिसायती पर लगे आरोप सिद्ध करवाये गये। ट्रायल पूरी होने पर न्यायालय ने आरोपित जाफर हुसैन को 20 साल के कठोर करावास और 86 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

# स्कूल दीवार की ओट में ताश के पत्तों पर खेल रहे थे जुआ, सुभाष नगर पुलिस ने छापा मार छह आरोपी दबोचे, 13830 रुपये जब्त

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत



**भीलवाड़ा।** सुभाषनगर थाना पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से 13830 रुपये नकद और ताश के 52 पत्ते जब्त किए हैं। इस कार्रवाई से जुआरियों में हडकंप मच गया है।

सुभाष नगर थाना पुलिस ने शुक्रवार शाम करीब 6:00 बजे प्रेस नोट जारी कर बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह आईपीएस के निर्देश, एएसपी पारस मल जैन के नेतृत्व और पुलिस उप अधीक्षक वृत्त सदर माधव उपाध्याय के सुपरविजन और थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई के नेतृत्व में जुआरियों व सटोरियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को सुभाषनगर थाने के सहायक उप निरीक्षक मोतीराम जाब्ते के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान अंजुमन स्कूल की दीवार की आड़ में कुछ लोग ताश पर तीन पत्ती का जुआ खेलते दिखाई दिए। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बबलू पठान 22 पुत्र असलम पठान निवासी तेजाजी चौक, मतीन अहमद 28 पुत्र मोहम्मद आरीफ निवासी रेलवे स्टेशन के पास, अबराज मोहम्मद हुसैन 32 पुत्र सुभान अली निवासी भवानीनगर, मोहम्मद अनस 24 पुत्र अब्दुल रसीद निवासी भोमियो का रावला भीमगंज, वसीम खान 37 पुत्र मोहम्मद शरीफ निवासी तेजाजी चौक तथा आसिफ शेख 34 पुत्र अब्दुल हकीम शेख निवासी गुलनगरी शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13830 रुपये नकद और जुआ सामग्री बरामद की। सभी के खिलाफ आरपीजीओ की धारा 13 तथा बीएनएस की धारा 112 2 के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली विशेष टीम में थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई, सहायक उप निरीक्षक साबीर मोहम्मद, हेड कांस्टेबल सतीश, कांस्टेबल सतवीर, आशुतोष, महेश, रतन और सोनू शामिल रहे।

पुलिस का कहना है कि जुआ सट्टे जैसी गतिविधियों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में लिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

# सवाईपुर क्षेत्र में दुसरे दिन भी छाया घना कोहरा, जनजीवन रहा प्रभावित

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** सवाईपुर कस्बे सहित सोपुरा, सालरिया, ढ़ेलाणा, बड़ला, बनकाखेड़ा, चावंडिया, रेड़वास, गुवारड़ी, कुड़ी, बोरखेड़ा, बोर्डियास, खजीना, कांदा, खरेड़, पिथास, सोलंकिया का खेड़ा आदि कई गांवों में दुसरे दिन शुक्रवार को भी घना कोहरा छाया रहा । क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में दिन चढ़ने के साथ ही कोहरा बढ़ने लगा । कोहरे में विजिबिलिटी कम होने के चलते हाईवे पर चलने वाले वाहनों को हेडलाइट का प्रयोग कर गुजरना पड़ा, वहीं कोहरे के साथ सर्द हवाओं ने लोगों की धूजणी छुड़ा दी, ग्रामीण व स्कुली बच्चे अलाव तापकर सर्दी से बचने का प्रयास करते दिखे । कोहरे के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ और लोगों की दिनचर्या भी असर पड़ा । सुबह 10 बजे बाद सुर्य देव के दर्शन हुए । धुप निकलने पर मौसम साफ हुआ ।

# उप मुख्यमंत्री व जिला अभिभाषक संस्था ने अधिवक्ता गौड़ को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार प्रेमचंद बैरवा, भीलवाड़ा लोकसभा सांसद दामोदर अग्रवाल द्वारा अधिवक्ता पीरू सिंह गौड़ को भाजपा कार्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया,पूर्व विधायक विठ्ठल शंकर अवस्थी, मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना की गरिमामयी उपस्थिति मे 80 बार रक्तदान करने पर ऊपरना पहनाकर व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला न्यायालय मे आयोजित गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण न्यायाधीश नवीन चौधरी व जिला अभिभाषक संस्था अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़, उपाध्यक्ष महिपाल सिंह राणावत, महासचिव पंकज दाधीच, रेवेन्यू महसचिव मनोहरलाल बुनकर, कोषाध्यक्ष रवि गोरानी, सह-सचिव आदित्य सिंह चौहान, पुस्तकालय सचिव प्रताप तेली द्वारा महिला उत्पीड़न न्यायाधीश श्रीमती सुषमा शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नगेंद्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुभाष चंद्र कोटिया व विशेष नागरवाल तथा अधिवक्ताओ की गरिमामयी उपस्थिति मे ऊपरना व मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

अधिवक्ता गौड़ को सम्मानित करने पर साथी अधिवक्ताओ द्वारा बधाई दी गई। गौड़ ने बताया कि उनके द्वारा निरंतर रक्तदान किया जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन मे रक्तदान करना चाहिए, रक्तदान से किसी का जीवन बचाया जा सकता है। रक्तदान करने से क्तदान से ह्रदय स्वास्थ्य में सुधार होता है, कैंसर का खतरा कम होता है, और शरीर में अतिरिक्त आयरन की मात्रा संतुलित रहती है। इससे कैलोरी भी बर्न होती है व मानसिक संतुष्टि मिलती है।

# जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कलक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न

स्मार्ट हलचल|भीलवाडा




जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में सदस्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता खेमचन्द मीना ने सड़क सुरक्षा अभियान (01.01.2026 से 31.01.2026) की थीम ''सीख से सुरक्षा-टेक्नोलॉजी से परिवर्तन'' पर 6.म् रणनीती पर चर्चा की गई एवं पूर्व बैठक की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में जिला कलक्टर श्री संधू ने पुर रोड़ पर कट बंद करने, विभिन्न क्रोसिंग का चिन्हीकरण कर डिवाईडरों पर स्वीस टाईप बोलार्ड एवं हेजार्ड मार्क लगाना, स्पीड ब्रेकर का चिन्हीकरण करके उनको हटाकर जेब्रा क्रोसिंग कराने के लिए नगर विकास न्यास एवं नगर निगम को निर्देशित किया गया। जिले के समस्त नेशनल हाईवे व स्टेट हाईवे व ग्रामीण एवं शहरी क्षैत्र की सड़को पर अवैध कट बन्द करना एवं अवैध कट को खोलने वाले व्यक्तियें के विरूद्व एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही को निरन्तर किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। जिले की समस्त सड़कों नेशनल हाईवे एवं स्टेट हाईवे पर स्थित 52 शराब की दुकानों का सत्यापन में शेष रही 12 दुकानों का सत्यापन कर अवैध शराब की दुकानों को बंद करवाने के निर्देश दिये गये।

शहरी क्षैत्र (09 ब्लेक स्पॉट) की सड़को पर निरीक्षण कर ब्लेक स्पॉट पर आवश्यक स्थाई एवं अस्थाई सुधार कार्य कराना एवं उनका भौतिक सत्यापन करना। जिले के समस्त राष्ट्रीय राजमार्ग (23 ब्लेक स्पॉट) की सड़को पर निरीक्षण कर ब्लेक स्पॉट पर आवश्यक सुधार कार्य कराना एवं उनका भौतिक सत्यापन करना। शहर की विभिन्न सड़कों/चौराहों पर ट्रेफिक लाईट को सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश दिये गये एवं जेबरा क्रोसिंग, लाईनिग का कार्य व चौराहा विकसित करना एवं रंग-रोगन व सफाई का कार्य करने के निर्देश प्रदान किये गये।

जिले में छात्र-छात्राओं/आमजन को ट्रैफिक पार्क में यातायात नियमों की जानकारी प्रदान करने के लिए निर्देश दिये गये एवं 18 वर्ष से कम छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिसर में वाहन लाने पर चालान बनाने एवं अभिभावको को समझाईश करने के निर्देश प्रदान किये गये। उन्होंने गुड सेमिरिटन योजना को व्यस्त चौराहो, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, आपातकाल चिकित्सालय कक्ष, जिला कलेक्ट्रेट व दुर्घटना सम्भावित स्थलां पर बैनर-पोस्टर लगाकर 25,000 रू का पुरूस्कार देय योजना का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश प्रदान किये गये एवं नुक्कड़-नाटक के द्वारा भी योजना का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गये। सॉफ्टवेयर पर प्रविष्टियों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किये गये। जिले से गुजरने वाले नेशनल एवं स्टेट हाईवे पर नो पार्किंग जोन में वाहनों को खड़े करने वाले वाहन चालकों एवं विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों के चालकों के विरूद्व छभ्प्ध्त्तिक्ब् से समन्वय स्थापित कर समझाईश करना, चालान बनाना, चालकों के लाईसेन्स निलम्बित करना, निरन्तर पेट्रोलिंग करना व पेट्रोलिंग में लगाये वाहनों की संख्यात्मक प्रगति प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किये गये।

टोल प्लाजा से गुजरने वाले, जिले में संचालित एवं खनिज क्षेत्र में चल रहे ट्रेक्टर, ट्रोलियों, अर्थमूवस व अन्य वाहनों पर अधिक से अधिक वाहनो पर रिफ्लेक्टर टेप लगाना। यातायात पुलिस विभाग द्वारा आवश्यकतानुसार हाईड्रोलिक क्रेन उपलब्ध कराने के लिए आमंत्रित निविदाओं में संवेदकों को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करते हुए पुनः निविदा की कार्यवाही कर हाईड्रोलिक क्रेन उपलब्ध कराने के निदेश प्रदान किये गये।

शहर की सड़कों से अजमेर चौराहा, बस स्टेण्ड चौराहा व विभिन्न स्थानों से दिन में भी निराश्रित पशुओं को काईन हाउस में पहुंचाने के निर्देश दिये गये। शहर के चौराहों पर अस्थाई एवं स्थाई दुकानदारों द्वारा सड़क पर अतिक्रमण हटाने एवं चौराहे का सौन्दर्यकरण करने के निर्देश दिये गये एवं आजाद चौक में दुकानदारों एवं ठेले वालों द्वारा हो रहे अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिये गये एवं महिला सुरक्षा के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये गये।

अधिकृत क्षमता से अधिक (ओवरलोड परिवहन) वाले भार वाहनों एवं सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन किये जाने पर चालक लाईसेन्स निरस्त करना। बिना हेलमेट व शराब पीकर वाहन चलाने के विरूद्व चालान में बढ़ोतरी करना। जिले में प्रवेश होने वाले ओवरलोड वाहनों का समय निर्धारण करने के निर्देश प्रदान किये गये। बेतरतीब ढ़ंग से खडे प्राईवेट बसों का का चालान करना एवं वाहनो को सही जगह पर खडे करने हेतु वाहन चालक को पांबद करने के निर्देश दिये गये।

# जयपुर बर्ड फेस्टिवल आज से, पंखों की उड़ान और आर्द्रभूमियों की पुकार

## जयपुर में शनिवार से सजेगा बर्ड्स और वेटलैंड्स के संरक्षण का रंगीन उत्सव

स्मार्ट हलचल | जयपुर

जब धरती की आर्द्रभूमियों पर परिंदों की चहचहाहट लौटाने और आसमान को फिर से पंखों से भरने का संकल्प लिया जाता है, तब ऐसे आयोजनों की जरूरत और भी बढ़ जाती है। इसी भावना को साकार करने के उद्देश्य से जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 का आयोजन शनिवार, 31 जनवरी से कानोटा कैंप रिजार्ट, जामड़ोली जयपुर में किया जाएगा।

दो दिवसीय यह राज्य स्तरीय आयोजन 31 जनवरी एवं 1 फरवरी, 2026 को ग्रीन पीपल सोसायटी, जयपुर चैप्टर द्वारा राजस्थान सरकार के वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित होगा। आयोजन स्थल कानोता कैंप रिजॉर्ट, जामडोली, जयपुर रहेगा। फेस्टिवल की थीम 'Join the Celebration of Wings & Wetlands' रखी गई है, जो आमजन–विशेषकर विद्यार्थियों–को पक्षी संरक्षण और आर्द्रभूमियों के महत्व से जोड़ने का भावनात्मक आह्वान करती है।

ग्रीन पीपल सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं जयपुर बर्ड फेस्टिवल के संयोजक विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि यह आयोजन पिछले 12 वर्षों में राष्ट्रीय पहचान बना

असद रहमानी

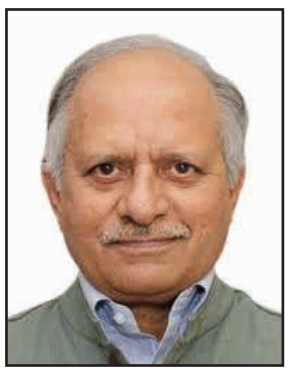

रवि सिंह

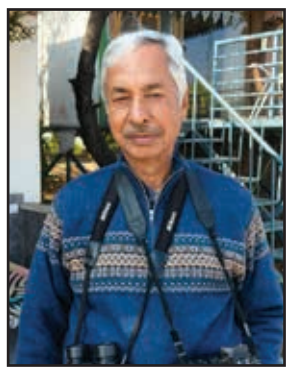

अनूप शाह

चुके उदयपुर बर्ड फेस्टिवल की सफलता से प्रेरित है। जयपुर में होने वाला यह फेस्टिवल प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक और सशक्त कदम सिद्ध होगा।

### शनिवार शिक्षा, संवेदना और रचनात्मकता का संगम

फेस्टिवल का पहला दिन शनिवार, 31 जनवरी को शिक्षा, रचनात्मकता और पर्यावरणीय जागरूकता को समर्पित रहेगा। इस दिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जयपुर बर्ड फेस्टिवल का मुख्य सत्र आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए नेचर क्विज और पेंटिंग प्रतियोगिताएं होंगी, जिनका उद्देश्य बच्चों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इसके साथ ही रैप्टर्स प्रदर्शनी, अत्याधुनिक वीआर एक्सपीरियंस, बर्ड फोटोग्राफी एवं पेंटिंग प्रदर्शनी तथा फिलैटली (डाक टिकट) प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी, जो दर्शकों को पक्षियों और उनके आवासों की दुनिया से भावनात्मक रूप से जोड़ेंगी। प्रशिक्षकों और लेखकों के लिए विशेष कार्यशालाएं भी होंगी, जिनसे पर्यावरण संवाद और संरक्षण लेखन को प्रोत्साहन मिलेगा।

### वर्कशॉप और राज्य स्तरीय विमर्श

विक्रम सिंह ने बताया कि फेस्टिवल के अंतर्गत लगभग 30 रिसोर्स पर्सन्स के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी, ताकि वे अपने-अपने संस्थानों में विद्यार्थियों को पक्षियों और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक कर सकें। वहीं, 15 उभरते लेखकों के लिए आयोजित लेखन कार्यशाला में अनुभवी विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे। इसी दिन राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें वन, पर्यावरण एवं पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, चयनित एनजीओ, शिक्षाविद् और विशेषज्ञ भाग लेंगे। लगभग 100 प्रतिभागियों की सहभागिता के साथ संरक्षण से जुड़े विषयों पर गंभीर मंथन किया जाएगा।

### रविवार : आर्द्रभूमियों के बीच प्रकृति से सीधा संवाद

फेस्टिवल के दूसरे दिन रविवार, 1 फरवरी को प्रतिभागियों के लिए जयपुर एवं आसपास स्थित प्रमुख आर्द्रभूमियों और वन्यजीव क्षेत्रों का फील्ड विजिट आयोजित किया जाएगा।

इसके अंतर्गत सांभर साल्ट लेक, बरखेड़ा-चंदलाई-मुहाना क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर), तालछापर अभयारण्य (चूरू) तथा रणथम्भौर अथवा सरिस्का टाइगर रिजर्व जैसे स्थलों का भ्रमण प्रस्तावित है।

### देश-प्रदेश के पक्षी विशेषज्ञ रहेंगे मौजूद

जयपुर बर्ड फेस्टिवल में भाग लेने के लिए देश-प्रदेश के प्रख्यात पक्षी विशेषज्ञ, वन्यजीव फोटोग्राफर और पर्यावरण संस्थाओं के प्रतिनिधि जयपुर पहुंचेंगे। इनमें बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के पूर्व निदेशक एवं वरिष्ठ पक्षीविद् असद रहमानी, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सीईओ रवि सिंह, पद्मश्री से सम्मानित फोटोग्राफर अनूप शाह, आउल एक्सपर्ट डॉ. प्राची मेहता, रैप्टर एक्सपर्ट रातुल साहा सहित अनेक बर्डवॉचर्स, पक्षीप्रेमी और पर्यावरणप्रेमी शामिल होंगे। उदयपुर से ग्रीन पीपल सोसायटी की टीम अध्यक्ष एवं एनसीटीए के सदस्य राहुल भटनागर, पक्षीविद् वीरेन्द्रसिंह बेड़सा आदि के नेतृत्व में शुक्रवार को पहुंच चुकी है।

# सिर पर लगी हुई मेहंदी को धोकर सोया युवक, साइलेंट अटैक से हुई मौत

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ।** कस्बे के इंदिरा कॉलोनी निवासी दुर्गा लाल कोली उम्र तकरीबन 50 वर्ष की साइलेंट अटैक से मौत हो गई। मृतक की भतीजी ने बताया कि उसके चाचा दुर्गा लाल ने सवेरे 8:बजे खाना बनाकर खाया उसके बाद 10 बजे धूप में खाट लगाकर सोया और तकरीबन 12बजे सिर में मेहंदी लगाकर उसे धोकर वापस सो गया इस दौरान दुर्गा लाल के सीने और सिर में जोरदार दर्द हुआ इस दौरान परिवार जनों द्वारा कंपाउंडर को बुलाकर दिखाया गया तब तक देर हो चुकी थी।

गौरतलब है की- मृतक दुर्गा लाल की लगभग 23 वर्षीय बेटी की बीमारी के चलते 2 महीने पहले मौत हुई थी। मृतक की पत्नी पुत्र व एक पुत्री कोटा में रहते हैं वही दुर्गा लाल अधिकांश समय बिजोलिया में ही रहता है था।

# एडीपीसी शर्मा ने किया एमजीजीस रायपुर का औचक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

**रायपुर।** अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक भीलवाड़ा कल्पना शर्मा ने शुक्रवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रायपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय सुचारू रूप से चल रहा था। निरीक्षण के दौरान एडीपीसी शर्मा ने विद्यालय विकास हेतु संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल द्वारा चलाए जा रहे अभियान एबीसीडी की प्रशंसा की साथ ही और भी नवाचार करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान कर विद्यालय स्टाफ को सम्बलन प्रदान किया।

# भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ आज भीलवाड़ा मे

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भाजपा जिला संगठन के नेतृत्व एवं भाजपा महिला मोर्चा के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड दोपहर 12:30 बजे महिला लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में 31 जनवरी शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय आयेंगी।भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ कि अध्यक्षता एवं भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मंजू पालीवाल के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित होगा।

भाजपा जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा महिला मोर्चा नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष भीलवाड़ा में प्रथम बार आएंगी वो महिला लाभार्थी संवाद कार्यक्रम मैं भाग लेंगी। भाजपा महिला मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष राठौड के प्रथम बार भीलवाड़ा आने पर शनिवार दोपहर 'महिला लाभार्थी संवाद कार्यक्रम ' में भाजपा जिला संगठन के नेतृत्व में महिला मोर्चा के समस्त पदाधिकारियो, कार्यकताओ द्वारा स्वागत किया जाएगा।

## चन्द्रशेखर आजाद नगर माहेश्वरी महिला मण्डल के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

# निर्विरोध चुनाव से समाज में गुटबाजी कम होती है और एकजुटता मजबूत होती है: चंदा जागेटिया

### चंदा जागेटिया पुनः अध्यक्ष, ललिता राठी सचिव बनी, कोषाध्यक्ष ममता पलोड, संगठन मंत्री प्रेम गगरानी मनोनित

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** नगर माहेश्वरी महिला संस्थान के तत्वाधान में सचिव सोनल माहेश्वरी के निर्देशन में चुनाव अधिकारी लीला राठी एवं नगर पर्यवेक्षक चेतना बसेर के सानिध्य मे चन्द्रशेखर आजाद नगर माहेश्वरी महिला मण्डल के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुए। मण्डल की निवर्तमान अध्यक्षा चंदा जागेटिया के अच्छे कार्यकाल को देखते हुए उन्हें फिर से एक बार अध्यक्ष के लिए चयनित किया गया एवं सचिव पद पर ललिता राठी को निर्विरोध चुना गया। कोषाध्यक्ष ममता पलोड, संगठन मंत्री प्रेम गगरानी को निर्विरोध चुना गया। नव निर्वाचित अध्यक्षा चंदा जागेटिया ने बताया की निर्विरोध चुनाव से समाज में गुटबाजी कम होती है, विकास कार्यों में गति आती है, और एकजुटता मजबूत होती है। साथ ही निर्विरोध चुनाव सामाजिक एकता, आपसी समझ और भाईचारे का एक प्रमुख प्रतीक है। निर्विरोध चुनाव यह दर्शाता है कि लोगों के बीच मतभेद नहीं, बल्कि साझा विश्वास और सहयोग है। चुनाव प्रक्रिया मे मण्डल की सभी सदस्यो का सहयोग सराहनीय रहा। अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सभी उपस्थित सदस्याओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें माला पहनाकर व मुँह मीठा कराकर उनके प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त किया गया।

# पुष्कर में महात्मा गांधी की 78 वीं पुण्यतिथि मनाई

स्मार्ट हलचल | हरिप्रसाद शर्मा

**पुष्कर/ अजमेर।** पुष्कर के रामधाम तिराहे पर बनी प्रतिमा पर कांग्रेसियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 78 वीं पुण्यतिथि मनाई।ब् इस मौक़े पर लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी पुष्कर के संयुक्त तत्वाधान मे ए आई सी सी और पीसीसी के निर्देशानुसार मनरेगा बचाओ महासंग्राम अभियान के अंतर्गत एक घंटे का सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए और अहिंसा के पुजारी को याद कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान पुष्कर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय जोशी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हाजी इंसाफ अली, पूर्व पालिकाध्यक्ष दामोदर शर्मा, दामोदर मुखिया,सावित्री प्रसाद गौतम,बाबूलाल दग्दी,बैद्यनाथ पाराशर, टीकम शर्मा, बेनिगोपाल मंत्री,जगदीश कुर्डिया, शरद वैष्णव, गोपाल तिलानिया,संगीता नागौरा, अरशद इंसाफ , संजय दग्दी, गौरी शंकर पाराशर ओमप्रकाश गुर्जर,असलम पठान ,सुरेश नाथ पाराशर, मधुसूदन पाराशर, चेतना कुमावत, प्रमोद पाराशर, युनुस खान देशवाली चांदमल उदय,ओमप्रकाश तिगाया,सोनू नागौरा, सिद्धार्थ डोल्या ,पृथ्वीराज उदय, योगेश पाराशर, मंगनी राम अजमेरा ओमप्रकाश पाराशर, शैतान सांखला, गोपाल जांगिड़ अमरचंद सैन, राजीव शर्मा,भागचंद अदाली, विजय सिंह अक्षत पाराशर,जगदीश भील, सुरेंद्र राठौड़िया, दीनदयाल पंवार नीरज मिश्रा , मनोज कुमावत,पवन पाराशर, हरि राम नायक नेमीचंद खींची, नोरत चौधरी, वीरेंद्र ओला, चेतन चौधरी, गौरव वैष्णव, करण चौधरी, राहुल गुर्जर, सुरेंद गुर्जर असलम खान तिलोरा, मुराद भाई नोरत मेघवाल शरीफ खान, आसिफ भाई दौराई, जगदीश मडरावलिया,नवनीत पाराशर, कुश पाराशर, आदि मौजूद थे।

# सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का भव्य समापन

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) के. एल. मीणा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। समापन दिवस के प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों को केशव गौशाला, बनेड़ा ले जाया गया। यहाँ छात्रों ने न केवल गौशाला की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया, बल्कि चारे की व्यवस्था और सफाई कार्यों में सक्रिय श्रमदान कर जीव-दया का संकल्प लिया। स्वयंसेवकों के शारीरिक विकास हेतु विभिन्न दलों के बीच खो-खो और कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल के मैदान पर छात्रों ने अदम्य उत्साह और टीम भावना का प्रदर्शन किया, जिससे शिविर का वातावरण ऊर्जा से भर गया। बौद्धिक चर्चा के अंतर्गत पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) आर. एस. बांगड़ ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने हेतु प्रेरणादायक व्याख्यान दिया और करियर निर्माण के महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। जिसके बाद दलवार सभी स्वयंसेवकों ने सात दिवस का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों क्रमशः राजराजेश्वरी कामावत, टीना कुमावत एवं गुलाम मुस्तफा को प्राचार्य द्वारा मोमेंटो प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार देसाई ने सात दिनों तक अनुशासित रहकर सेवा कार्य करने वाले सभी स्वयंसेवकों को 'बेस्ट वॉलेंटियर' मेडल से नवाजा। अंत में, सामूहिक वन्देमातरम के गान के साथ शिविर का विधिवत समापन हुआ।

# आमा सीनियर स्कूल में स्मार्ट रूम की ओर बड़ा कदम एलईडी व आर्थिक सहयोग से शैक्षणिक संसाधन सुदृढ़

स्मार्ट हलचल | मंगरोप

आमा सीनियर स्कूल में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।विशाल पाराशर, पप्पू जाट, आशीष तिवारी, संजय पांड्या, मोहन भण्डारी तथा जैन संगिनी ग्रुप के सहयोग से स्कूल में स्मार्ट रूम के विकास के लिए दो एलईडी भेंट की गई।विद्यालय विकास के लिए स्थानीय स्कूल की अध्यापिका सीता शर्मा ने 51 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग दिया।वहीं आमा विद्यालय के अन्य स्टाफ ने भी एक लाख रुपये की राशि एकत्रित करके विद्यालय हित में समर्पित की।इसके अतिरिक्त ग्रामीणों एवं क्षेत्र के नवयुवकों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए लगभग एक लाख रुपये का दान विद्यालय को प्रदान किया।इस सामूहिक सहयोग से विद्यालय के शैक्षणिक संसाधनों के सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी तथा विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण व आधुनिक शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा और ग्रामीणों ने शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।प्रधानाचार्य भागचंद सोमाणी ने इस सराहनीय पहल के लिए समस्त ग्रामीणों,भामाशाहों, नवयुवकों एवं विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही शैक्षणिक संस्थानों का सर्वांगीण विकास संभव है।

# भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयन्ति महोत्सव के उपलक्ष्य में शोभायात्रा आज

स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** सिंगोली चारभुजा स्थित भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी विश्वकर्मा जयन्ति पर शनिवार को आम छोकला जांगिड़ समाज द्वारा शोभायात्रा का आयोजन श्री विश्वकर्मा जी मंदिर सिंगोली चारभुजा में किया जायेगा। समाजसेवी सत्यनारायण सुथार ने बताया कि समाज बन्धु एकत्र होकर भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयन्ति के उपलक्ष्य में 31 जनवरी शनिवार को विश्वकर्मा भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो शोभायात्रा सिंगोली चारभुजा विश्वकर्मा मंदिर परिसर से भगवान विश्वकर्मा नाथ की झांकी सजा प्रातः 10 बजे से गाजे-बाजे के साथ शुरू होकर सिंगोली बस स्टैंड, एवं मुख्य मार्गों से होते पुनः विश्वकर्मा मंदिर परिसर पहुंचेगी। श्री विश्वकर्मा जांगीड विकास कमेटी ने बताया कि दोपहर 12 बजे से सामाजिक कार्यों पर चर्चा एवं वरिष्ठजन सम्मान समारोह किया जायेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है।

# भारतीय मेला एसोसिएशन का हुआ गठन, सतपाल सिंह बनें राष्ट्रीय अध्यक्ष

### आयोजकों ने गुरुग्राम में आयोजित की बैठक, अन्य पदाधिकारियों का भी सर्वसम्मति से किया चयन

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** देश के विभिन्न राज्यों में पारंपरिक मेलों का आयोजन करने वाले मेला आयोजकों ने गुरुग्राम में आयोजित बैठक में भारतीय मेला एसोसिएशन का गठन किया। इस अवसर पर राजस्थान के सतपाल सिंह को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। साथ ही अन्य पदाधिकारियों का भी सर्वसम्मति से चयन किया गया। अब तक मेले आयोजित करने वाले लोग राष्ट्रीय स्तर पर असंगठित थे। यह पहला अवसर है जब मेला आयोजकों ने अपने हितों की रक्षा और सामूहिक मुद्दों को उठाने के लिए राष्ट्रीय संगठन बनाया है। एसोसिएशन की कार्यकारिणी में पंजाब के विकास सिंह को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, रविन्द्र कपूर मेगी (उत्तरप्रदेश), कुणाल भट्ट (गुजरात), अनिल बत्तरा (हरियाणा), साहिल वर्मा (जम्मू-कश्मीर), सिकन्दर यादव (छत्तीसगढ़), अंकुश सेठी (पंजाब), अरशद खान (उत्तरप्रदेश), सुनील सिंह (दिल्ली), नरेश लश्करी (मध्यप्रदेश) तथा वकील अहमद खान (महाराष्ट्र) को उपाध्यक्ष बनाया गया है। राजस्थान के जगराम गुर्जर को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। इसके अलावा परेश जे भट्ट (गुजरात), जतिन कुमार (हिमाचल प्रदेश), रमनजीत सिंह खुराना (हरियाणा) और एम.एम. दीवान उर्फ मयूर भाई (गुजरात) को राष्ट्रीय सह सचिव नियुक्त किया गया। योगेश कुमार शर्मा (हरियाणा) को राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा फाजिल भाई खमासा (महाराष्ट्र) को महामंत्री बनाया गया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों में गगनदीप सिंह (पंजाब), लालू शर्मा (छत्तीसगढ़), अमीर भाई शेख (गुजरात), सलमान कुरैशी, जमशेद कुरैशी और साजिद मलिक (सभी उत्तरप्रदेश) तथा पवन वर्मा (पंजाब) शामिल हैं। बैठक में गुजरात, हिमाचल प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के मेला आयोजकों की समस्याओं के समाधान, पारंपरिक मेलों को बढ़ावा देने तथा इनमें नवाचार करने का निर्णय किया गया। बैठक में इस संगठन का नाम पहले राष्ट्रीय मेला एसोसिएशन संघ रखने का निर्णय हुआ लेकिन बाद में कुछ सदस्यों के सुझाव पर इसे बदल कर भारतीय मेला एसोसिएशन कर दिया गया।

# रमेश नवहाल भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया पैनलिस्ट नियुक्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

श्री रमेश नवहाल को भाजपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया पैनलिस्ट नियुक्त किया गया। नवहाल पूर्व में छात्र राजनीति में सक्रिय रहे। माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला प्रमुख व प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया। विद्यार्थी परिषद द्वारा गठित जनसंघर्ष मोर्चा के राजस्थान प्रदेश सहसंयोजक भी रहे। लोकसभा चुनाव के दौरान लाभार्थी सम्पर्क अभियान के भीलवाड़ा जिला सहसंयोजक रहे।

पूर्व में श्री नवहाल कोटा के प्रतिष्ठित बंसल क्लासेज के रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष रहते हुए हजारों छात्रों का आई आई टी व एन आई टी में चयन कराया।

# चार-चार बच्चों की माएं प्रेमियों संग भाग रही, सरकार कोई उपाय करे', विधानसभा में बोले नरेंद्र बुडानिया

स्मार्ट हलचल

**जयपुर।** जयपुर में विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक नरेंद्र बुडानिया ने सरकार पर तीखे तंज कसते हुए कई मुद्दे उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी उद्घाटन कार्यक्रमों में निर्वाचित विधायकों की अनदेखी की जा रही है और चुनाव हार चुके भाजपा उम्मीदवारों से उद्घाटन कराए जा रहे हैं, जो जनप्रतिनिधियों की गरिमा के खिलाफ है।

### उद्घाटन कार्यक्रमों को लेकर उठाए सवाल

बुडानिया ने तारानगर का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2023 में उनके क्षेत्र में अस्पताल का शिलान्यास हो चुका था। उन्हें उम्मीद थी कि स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करेंगे, लेकिन वहां जल संसाधन मंत्री उद्घाटन के लिए पहुंचे।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने दो साल पूरे होने का उत्सव मना रही है, जबकि उद्घाटन पट्टिकाओं पर स्थानीय विधायक का नाम नहीं है और हारे हुए उम्मीदवारों का नाम दर्ज है।

### 'कैंची लेकर घूम रहे हैं हारे हुए उम्मीदवार'

कांग्रेस विधायक ने कटाक्ष करते हुए कहा कि चुनाव हार चुके उम्मीदवार उद्घाटन के लिए 'कैंची लेकर घूम रहे हैं'। उन्होंने कहा कि एक ओर विधायक विधानसभा में जनता की आवाज उठा रहे हैं और दूसरी ओर उद्घाटन ऐसे लोग कर रहे हैं, जिन्हें जनता ने नकार दिया है। बुडानिया के अनुसार यह परंपरा लोकतांत्रिक मूल्यों और विधायकों की गरिमा के खिलाफ है।

### सामाजिक मुद्दों पर भी जताई गहरी चिंता

इसी बहस के दौरान नरेंद्र बुडानिया ने प्रदेश में बढ़ती सामाजिक समस्याओं की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि लड़कियों के घर से भागने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे माता-पिता चिंतित हैं। उनका दावा था कि हजारों लड़कियां घर छोड़ रही हैं और कई मामलों में चार-चार बच्चों की माताएं भी प्रेमियों के साथ भाग रही हैं।

पुलिस कार्रवाई और पारिवारिक पीड़ा का किया जिक्र

बुडानिया ने कहा कि कई मामलों में पुलिस द्वारा बरामद की गई लड़कियां अपने माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं। उन्होंने इसे समाज के लिए बेहद दुखद स्थिति बताया और कहा कि जब कोई बेटी अपने मां-बाप को पहचानने से मना कर दे, तो इससे बड़ा कष्ट कुछ नहीं हो सकता।

### सभी दलों से समाधान तलाशने की अपील

उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल किसी एक दल या सरकार की नहीं है, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और समाज को मिलकर इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केंद्र सरकार के नियमों और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन्हीं दायरों में रहते हुए प्रभावी समाधान तलाशना जरूरी है।

नरेंद्र बुडानिया ने कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कई मामलों में बेटी के वापस आने के बाद पिता गहरे सदमे में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। उन्होंने इसे पूरे समाज के लिए चेतावनी बताया और इस विषय पर संवेदनशील तथा गंभीर चर्चा की आवश्यकता पर जोर दिया।

## बनेड़ा क्षेत्र के झातल गांव में टेंट हाउस के गोदाम में आग, 15 से 20 लाख का नुकसान

स्मार्ट हलचल | रायला

बनेड़ा थाना क्षेत्र के झातल गांव में गुरुवार रात बालाजी टेंट हाउस के गोदाम में अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई। आग लगने से गोदाम में रखा टेंट से जुड़ा सारा सामान जलकर राख हो गया। दुकान मालिक बालकिशन शर्मा ने बताया कि गोदाम में टेंट की चद्दरें, दरियां, प्लास्टिक की कुर्सियां सहित अन्य आवश्यक सामग्री रखी हुई थी। देर रात आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे अग्निशमन वाहन ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी की इस घटना में टेंट हाउस को करीब 15 से 20 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। घटना की जानकारी दुकान संचालक द्वारा बनेड़ा पुलिस थाना को भी दे दी गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

## ग्रामीण नर्सेज ने सीएमएचओ से मेडिसिन स्टोर के चार्ज से मुक्ति की मांग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान नर्सेज यूनियन के जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व मे ग्रामीण क्षेत्र के नर्सेज ने भीलवाड़ा सीएमएचओ डॉ. संजीव शर्मा को ज्ञापन दीया । ग्रामीण जिलाध्यक्ष अमित व्यास ने बताया की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जयपुर ने फ़ार्मासिस्ट का जॉब चार्ट जारी कर दीया हे जिसमे स्पस्ट रूपसे उन्हें चिकित्सालयो मे दवाई वितरण और भंडारण का कार्य आवन्तिट किया हे अतः भीलवाड़ा सीएमएचओ भी जल्द से जल्द एक आर्डर जारी कर सम्पूर्ण भीलवाड़ा जिले के नर्सेज को अनावश्यक मेडिसिन के भंडारण चार्ज से मुक्ति प्रदान करे यूनियन प्रवक्ता गिरिराज लड्ढा ने बताया की भरतपुर और हनुमानगढ़ के सीएमएचओ ने आर्डर जारी कर नर्सेज को राहत प्रदान की हे उसी तरह भीलवाड़ा सीएमएचओ भी नर्सेज की इस जायज मांग को पूरा करे। ज्ञापन देने मे सहाड़ा ब्लॉक से यूनियन ग्रामीण उपाध्यक्ष पारस जैन,नर्सेज न्यूज़ 24 के संयोजक नूर मोहम्मद खान, गुरला से नीरज कुमार, गाडरमाला से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर राजेश सांखला, खेराबाद से भूपेंद्र सिंह,भगवानपुरा से सुरेश बलाई, गंगापुर से सुमंत व्यास, विनोद सोनी, बदाम हुआ से अमित शर्मा, करण सिंह, ललित जीनगर, दिनेश खटीक, नितीश मीणा,चंदू शर्मा मौजूद रहे।

## संदीप चावला बने एनएसयूआई राजस्थान के प्रदेश महासचिव

स्मार्ट हलचल

आसींद (भीलवाड़ा)।भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (ह्स्ट्ठ) ने संगठन की मजबूती और आगामी गतिविधियों को देखते हुए अपनी नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की है। ह्स्ट्ठ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भीलवाड़ा जिले के आसींद (दौलतगढ़) क्षेत्र के उभरते छात्र नेता संदीप चावला को प्रदेश महासचिव के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है।

संघर्ष और सक्रियता का मिला फल

संदीप चावला पिछले लंबे समय से संगठन में एक निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। दौलतगढ़ निवासी चावला ने छात्र हितों के साथ-साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। उनकी इसी तत्परता और कार्यकुशलता को देखते हुए संगठन ने उन्हें अब प्रदेश स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी है।

### कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर

चावला की नियुक्ति की खबर जैसे ही आसींद क्षेत्र में पहुंची, कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। नियुक्ति के आदेश जारी होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है। स्थानीय युवाओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने दूरभाष (फोन) के माध्यम से उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

## शाहपुरा माधव बस्ती व दयानंद बस्ती का संयुक्त हिंदू सम्मेलन 1 फरवरी को

### पोस्टर विमोचन को लेकर कार्यक्रम हो रहे आयोजित

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** उपखंड मुख्यालय पर 1 फरवरी को आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन को लेकर तैयारी जोरों से की जा रही है।सम्मेलन कमेटी के सदस्य प्रियवत वैष्णव ने बताया कि शाहपुरा नगर की माधव बस्ती व दयानंद बस्ती का संयुक्त हिंदू सम्मेलन 1 फरवरी को महलों की चौक में आयोजित किया जाएगा। ।हिंदू सम्मेलन को लेकर माधव बस्ती दयानंद बस्ती व बस्ती के अंतर्गत आने वाले मेवदा,अरनिया घोडा, माताजी का खेड़ा गांव में बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में बस्ती व ग्रामीणो से हिंदू सम्मेलन की एकजुट और सम्मेलन की सफलता के लिए तन मन धन से सहयोग करने की अपील की गई। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देते हुए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। आयोजन के अंतर्गत रविवार को बिजासन माता मंदिर तहनाल गेट से नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए महलों के चौक कलश यात्रा पहुंचेगी। सम्मेलन में संत प्रमोद दास महाराज का सानिध्य व आशीर्वचन होगा। धर्म सभा के बाद भोजन प्रसादी का वितरण रहेगा।

## खजूरी में नानी बाई के मायरा की धूमः भजनों के रस में डूबे श्रद्धालु; एक फरवरी को होगा विराट हिंदू सम्मेलन का महासंगम

दिल्ली और अयोध्या के कलाकार आज बिखेरेंगे सांस्कृतिक छटा; स्वामी बालमुकुंदाचार्य और महामंडलेश्वर मधुसूदनानंद गिरी का होगा आगमन

स्मार्ट हलचल | कोटा

**खजूरी।** खजूरी तहसील मुख्यालय पर चार दिवसीय धार्मिक महोत्सव के दूसरे दिन शुक्रवार को भक्ति की बयार बही। 'नानी बाई का मायरा' प्रसंग के वाचन के साथ ही पूरा पांडाल नर्सी मेहता की भक्ति और भगवान श्री कृष्ण के प्रेम के रंग में सराबोर हो गया।

### भक्ति और अभिनय का अनूठा संगम

कथा के दौरान दोपहर 1:00 से 4:00 बजे तक मायरा प्रसंग का भावपूर्ण वाचन किया गया, जिसमें भक्तों को मायरे के आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी गई।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि आज रात्रि 8:00 से 11:00 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। इसमें कोटा, दिल्ली और अयोध्या से आए कलाकारों द्वारा भगवान शिव का तांडव नृत्य और विभिन्न पौराणिक झांकियों का अद्भुत प्रदर्शन किया जाएगा।

### 1 फरवरी को जुटेगा संतों का समागम

धार्मिक उत्सव की पूर्णाहुति 1 फरवरी 2026 को 'विराट हिंदू सम्मेलन' के साथ होगी। कार्यक्रम का आगाज सुबह 8:00 बजे हरि बोल प्रभात फेरी के साथ होगा। दोपहर 2:00 बजे आयोजित होने वाली धर्मसभा को 1008 श्री महामंडलेश्वर मधुसूदनानंद गिरी जी महाराज (सेमलिया धाम, जावरा), स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज (हतोज धाम विधायक, हवामहल जयपुर), नारायण दास जी त्यागी (बजरंगगढ़) और सुश्री अनीता किशोरी जी संबोधित करेंगी।

## गेणोली में गूंजा वीर तेजाजी

### गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य शोभायात्रा, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

**मांडलगढ़/गेणोली।** क्षेत्र के गेणोली गांव में लोक देवता वीर तेजाजी महाराज का पावन जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और धर्मप्रेमी शामिल हुए।

### भक्तिमय माहौल में निकली शोभायात्रा

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गांव के मुख्य मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु तेजाजी महाराज के भजनों पर नाचते-गाते नजर आए। पूरे मार्ग में 'वीर तेजाजी की जय' के उद्घोष से वातावरण धर्ममय हो गया। शोभायात्रा गांव के प्रमुख चौराहों से होती हुई तेजाजी महाराज के मंदिर पहुंची।

### महाआरती और विशेष पूजा

मंदिर परिसर में पहुँचने पर लोक देवता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात विशेष महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने क्षेत्र की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

## व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत एग्जीबिशन कम कंपटीशन में पीएम श्री बापू नगर की छात्रा अव्वल

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बापूनगर की कक्षा 11 की छात्रा रोशनी कुमारी ने जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय स्किल कौशल प्रदर्शनी में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।प्रधानाचार्य सुनीता नानकानी ने बताया कि इससे पूर्व जिला स्तर पर मांडल में आयोजित प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए आज कॉमर्स कॉलेज जयपुर में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय की कौशल मित्र पूर्णिमा कुमारी पारीख, अनीता शर्मा एवं शिक्षिका संजू शर्मा के निर्देशन में छात्रा ने पुराने फ्लेक्स का उपयोग करते हुए सुंदर रंगोली एवं पुरानी जींस का पुनर्निर्माण करते हुए बैग अन्य रचनात्मक सामग्री का निर्माण किया । छात्रा के सफलता पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती अरुणा गारु, एडीपीसी डॉ कल्पना शर्मा, ऐपीसी दिनेश कोली ने छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की। स्थानीय पार्षद लव कुमार जोशी, लाडो स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह राठौड़ तथा एसडीएमसी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्रा को बधाई प्रेषित की है।

## महात्मा गांधी शहीद दिवस पर युवाओं ने दी श्रद्धांजलि, प्रतियोगिता आयोजित

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** माय भारत भीलवाड़ा जिला युवा अधिकारी जयेश मीणा के निर्देशानुसार रानी लक्ष्मीबाई महिला मंडल एवं शहीद भगत सिंह सेवा संस्थान, नई राज्यास के संयुक्त तत्वावधान में महात्मा गांधी शहीद दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ युवा मंडल के साथियों द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर युवा साथी सूरज मेवाड़ा एवं प्रधान कुमार शर्मा ने महात्मा गांधी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए 'अहिंसा परमो धर्म' के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया।

समारोह के अंतर्गत आशु भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाषण प्रतियोगिता में सुमन शर्मा ने प्रथम, खुशी कुमावत ने द्वितीय तथा रेखा बैरवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर प्रतियोगिता में आशा भील प्रथम, प्रियंका द्वितीय एवं कोमल तृतीय स्थान पर रहीं।

माय भारत भीलवाड़ा की ओर से सभी विजेताओं को माय भारत किट (मोमेंटो, प्रमाण पत्र, पेन, डायरी, बैज एवं वेलकम किट) प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आयोजन के संयोजक शहीद भगत सिंह युवा संस्थान द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में पूजा शर्मा, प्रधान कुमार शर्मा, आशीष स्वर्णकार, सूरज कुमार मेवाड़ा, संजय चौधरी सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

## राज्य सरकार की योजनाओं का विद्यार्थियों को मिले शत प्रतिशत लाभ-सीबीईओ शर्मा

### विद्यालयों की समस्याओं और शैक्षिक गुणवत्ता पर दिया जोर, महुआ में ब्लॉक निष्पादन समिति की बैठक

स्मार्ट हलचल | काछोला

माण्डलगढ़ उपखण्ड स्तरीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महुआ में ब्लॉक निष्पादन समिति की बैठक आयोजित की गई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्पना शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें ब्लॉक क्षेत्र के सभी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों ने भाग लिया।महुआ प्रधानाचार्य नाथू लाल मीणा ने स्वागत किया।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्पना शर्मा ने बोर्ड परिणामो को बेहतर बनाने, नियमित शिक्षण, शाला दर्पण पर शत प्रतिशत फीडिंग, स्कूल खेल मैदान, बिजली व अनुपयोगी सामान निस्तारण की समीक्षा, साथ राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पालनहार, लाडो प्रोत्साहन व अन्य विद्यार्थी कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा, विद्यालय व खेल मैदान अतिक्रमण पर चर्चा, विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। संस्था प्रधानों को विद्यार्थियों के जन आधार प्रमाणीकरण को शत-प्रतिशत पूर्ण करने, 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के लिए विद्यार्थियों का पंजीकरण कराने तथा बेहतर परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए

अभी से रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'ज्ञान संकल्प अभियान' में दान करने का भी आह्वान किया।

वही एसीबीईओ बनवारी लाल जीनगर ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा आवेदन, निपुण मेला, मेगा पीटीएम तथा एसडीएमसी एवं एसएमसी की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला/ब्लॉक रैंकिंग, शाला संबलन पर चर्चा।

बैठक में आर पी अर्जुन सिंह मीणा ने वोकेशनल व पीएम श्री योजना पर, स्मार्ट क्लास रूम, पालनहार योजना, प्रखर राज-स्थान (3), एसएनए व्यय की समीक्षा की।साथ ही संस्था प्रधानों को पीईईओ अधीनस्थ विद्यालयो के बेहतर संचालन के निर्देश दिए। रामकुंवार धोबी ने प्रोजेक्ट के माध्यम से शाला संबलन, जिला रैंकिंग, यू डाइस, पालनहार, ट्रांसपोर्ट वाउचर, पीएम श्री योजना, व वोकेशनल व्यय सहित समस्त योजनाओं पर चर्चा की।बैठक में ब्लॉक के आरपी अर्जुन लाल मीणा, दिनेश वर्मा, सत्य प्रकाश खटीक, बालमुकुंद स्वर्णकार, राकेश उदय, नन्द किशोर रेगर, हेमंत मेहता, रामप्रसाद माली, फूल चन्द मीणा, इन्द्रसहाय मीणा, संतोष जैन सहित ब्लॉक के प्रधानाचार्य उपस्तिथ थे। कार्यक्रम का संचालन रामकुंवार धोबी ने किया।

## मरू महोत्सव में शाहपुरा बियर्ड क्लब का जलवा, एडवोकेट दीपक पारीक ने दाढ़ी-मूंछों से जीता सबका दिल

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** जैसलमेर के धमाकेदार मरू महोत्सव 2026 में शाहपुरा बियर्ड क्लब ने फिर एक बार अपनी दाढ़ी-मूंछ की परंपरा से कमाल कर दिया! 30 जनवरी से 1 फरवरी तक चले इस राजस्थानी कला-संस्कृति के महाकुंभ में क्लब के मशहूर लोक कलाकार और कला प्रेमी एडवोकेट दीपक पारीक ने मरूश्री व मूंछ प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर दंग कर दिया। उनकी लंबी, घनी दाढ़ी मूंछों ने जजों ही नहीं, पूरे स्टेज को तालियों की बौछार से भर दिया !क्लब के संस्थापक व 'मिस्टर बियर्ड मेन' डॉ. इशाक खान ने

गर्व से बताया, 'रूबेले एडवोकेट दीपक पारीक ने शाहपुरा का परचम लहराया। मरू महोत्सव तो राज-स्थान की शान है, जहां मरूश्री-मिस मूमल जैसी प्रतियोगिताएं लोक परंपराओं को जीवंत करती हैं। हमारा क्लब इस धरोहर को संभालते हुए हर बार धमाल मचाता है। 'पहले भी डॉ. इशाक खान ने तीन बार, धीरज पारीक व प्रवीण सुखवाल ने एक-एक बार कमाल दिखाया। इस बार दीपक पारीक ने परंपरा को नई ऊंचाई दी। शाहपुरा कलाओं की नगरी है, जो दाढ़ी-मूंछ से लेकर रंगकर्म व साहित्य तक हर क्षेत्र में डंका बजा रही।

## विधायक आक्या की अनुशंषा पर डीएमएफटी से जारी हुई 22 करोड़ से अधिक राशी की स्वीकृतियां

### विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा- चिकित्सा क्षेत्र में बहेगी विकास की गंगा:आक्या

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

**चित्तौड़गढ़।** विधायक चंद्रभान सिंह आक्या की अनुशंषा पर डीएमएफटी मद से विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयो में कक्षा-कक्ष निर्माण व मरम्मत हेतु 20 करोड़ एवं चिकित्सा विभाग में भवन मरम्मत व उपकरण हेतु 2 करोड़ की स्वीकृतियां जारी की गई है।

विधायक आक्या की अनुशंषा पर डीएमएफटी मद से जारी स्वीकृती के तहत राजकीय कन्या महाविद्यालय में 2 कक्षा कक्ष व शौचालय हेतु 40 लाख, ग्राम माताजी की पाण्डोली, पुरोहितों का सांवता, नारेला, नेगडिया कला, घोसुण्डी, सेमलिया, सेमलपुरा, केलझर, बस्सी, गिलुण्ड, आंवलहेडा, नेतावल गढपाछली, घटियावली, ओछडी, बराडा, रोलाहेडा, पालछा, अमरपुरा, बालिका शहर, पुलिस लाईन, चिकसी, ओडून्द, सहनवा, बोजुन्दा, शम्भूपुरा, बामणिया, पाटनिया, उदपुरा, कश्मोर, धनेतकला, सामरी, पंचदेवला, सुखवाड़ा, कन्नोज, आक्या, नरबदीया के राजकीय उच्च माध्यमिक, बालिका उच्च माध्यमिक व महात्मा गांधी विद्यालयो में कुल 76 कक्षा-कक्ष और सोनगरों की खेड़ी, पाल का खेडा, बस्सी खेडा, पालेर, गोपालपुरा, सिरडी, ठिकरिया, मायरा, आछेडा, गोपालपुरा, भाटियों का खेडा, माताजी की ओरडी, रावत का तालाब, जीतावल, गांधीनगर कच्ची बस्ती, रामाखेडा, केशरपुरा, गुर्जरखेडा, चन्द्रपुरा, पावटिया, नरपत की खेडी, कश्मोर, आमोलिया, चित्तौडी, चौहानों का कंथारिया, गाडरी खेडा, राजपुरिया, अमरपुरा, होड़ा, डेलवास,

भगवानपुरा, शिवपुरा, सेमलिया, सुवावा, भीलों की झोपडिया, खोर, धराणा, होडा, चौहानों का कंथारिया, रूपपुरा के राजकीय उच्च प्राथमिक व प्राथमिक विद्यालयो में कुल 69 कक्षा-कक्ष निर्माण व राउमावि सादी में कम्प्यूटर कक्ष तथा राउमावि बस्सी में प्रयोगशाला निर्माण व उपकरण आदी पर कुल 17 करोड़ 45 लाख की राशी स्वीकृत की गई है।

इसी क्रम में दूर्ग, चन्देरिया, अभयपुर, चिकसी, ओछडी, सावा, उदपुरा, धनेतकला, माताजी की पाण्डोली, ऐराल, भदेसर, कन्नोज, नरबदीया के राउमावि एवं ग्राम खरडीबावडी, बस्सी खेडा, ओरडी, रघुनाथपुरा, रघुनाथपुरा, धराणा, कुम्भानगर, गाड़ी लौहार, दहीखेडा, पाल का खेडा, भील्याखेडा, गुर्जरखेडा, अमरपुरा, डेलवास, जवासिया, गांगाजी का खेडा, चेनपुरिया, राजपुरिया, गांधीनगर कच्ची बस्ती, मंगरी का अघोरिया, केसरपुरा, भगवानपुरा, चौहानों का कंथारिया, रूपपुरा, गाडरी खेड़ा, खोर के राजकीय उच्च प्राथमिक व प्राथमिक विद्यालयो में वृहद मरम्मत कार्य हेतु 2 करोड़ 26 लाख की स्वीकृति जारी की गई है।

डीएमएफटी मद से जारी स्वीकृती के तहत श्रीसांवलियाजी राजकीय जिला चिकित्सालय चित्तौड़गढ़ में हार्ट व कार्डियोग्राफी जांच के लिए ईको मशीन हेतु 30 लाख, आंखो में कालापानी जांच मशीन हेतु 4 लाख, बायोप्सी जांच के लिए स्टेपैथोलॉजी मशीन हेतु 85 लाख, टीएमटी मशीन हेतु 4 लाख, विशिष्ट जांच के लिए थायराईड मशीन हेतु 18 लाख, डिजिटल एक्सरे मशीन के लिए 25 लाख की स्वीकृती जारी की गई है।

इस क्रम में श्री सांवलियाजी राजकीय जिला चिकित्सालय चित्तौडगढ़ के भवन मरम्मत हेतु 25 लाख, जिला आयुर्वेद चिकित्सालय पाडनपोल के भवन मरम्मत हेतु 20 लाख व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पालेर के भवन मरम्मत कार्य हेतु 10 लाख की स्वीकृति जारी की गई है।

## 12 करोड़ के राज्य स्तरीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़

### जिला स्पेशल टीम व दूनी पुलिस ने दो आरोपीयो को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

**दूनी/टोंक।** पुलिस अधीक्षक टोंक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य स्तरीय साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन के तहत पुलिस ने दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है।

जिन्होंने देश के करीब 22 अलग-अलग राज्यों के लोगों को अपना शिकार बनाया था। शुरुआती जांच और रिकॉर्ड के अनुसार इस गिरोह द्वारा करीब 10 से 12 करोड़ रुपए की साइबर ठगी किए जाने का अनुमान है। आरोपियों के खिलाफ नेशनल साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर कुल 404 शिकायतें पहले से दर्ज पाई गई हैं।

पुलिस उपाधीक्षक देवली हेमराज के सुपरविजन में थाना दूनी इलाके में अंजाम दी गई। पुलिस ने मौके से आरोपियों के कब्जे से ठगी के पैसों से खरीदी गई एक ब्लैक महिंद्रा थार, एक लाख रुपए की नकदी और करीब 5 लाख रुपए मूल्य के 5 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। ठगी करने के लिए ये आरोपी फर्जी 'ट्रेड लिंक' और फर्जी सिम कार्ड का उपयोग करते थे। पुलिस को इनके पास से 82 फर्जी सिम कार्ड मिले हैं, जिनका इस्तेमाल ये अलग-अलग राज्यों में लोगों को ठगने के लिए करते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रामवतार उर्फ राज पुत्र बद्रीलाल और हंसराज पुत्र रतन लाल के रूप में हुई है।

### करीब ढाई करोड़ की हुई पुष्टि

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि करीब 2 करोड़ 49 लाख रुपए की ठगी की पुष्टि हो चुकी है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेंद्र सिंह और

## बहुभाषिक शिक्षा के एम टी की कैपिसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग शुरू

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट उदयपुर में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की गतिविधियों के अन्तर्गत बहुभाषिक शिक्षा के दक्ष प्रशिक्षकों का तीन दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण गुरुवार को प्रारंभ हुआ जिसमें उदयपुर तथा सलूम्बर जिले के सभी ब्लॉक से कुल 68 संभागी भाग ले रहे हैं।

डाइट प्रिंसिपल शीला काहाल्या ने सभी संभागियों को एनईपी-2020 की अपेक्षाओं तथा प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संभागियों का आह्वान किया कि वे भलीभांति प्रशिक्षण ले कर जायें ताकि सम्बंधित ब्लॉक में शिक्षकों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर सकें।प्रशिक्षण के दूसरे दिन आज शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 की मंशा के अनुरूप बालकों में उनकी मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम कैसे बनाया जाये तथा उनकी मातृभाषा को औपचारिक विद्यालयी भाषा से कैसे जोड़ा जाए, जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी।

प्रभारी अधिकारी रियाज़ अहमद ने प्रशिक्षण मॉड्यूल का उल्लेख करते हुए सम्पूर्ण प्रशिक्षण अवधि में लिए जाने वाले सत्रों का ब्यौरा देकर संभागियों को नियमित रूप से सत्रों में उपस्थित रहने सम्बन्धी निर्देश दिए।

इस प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मनोज पाठक, सोनल कंठालिया, बीना वैष्णव, मुग्धा लोढ़ा, स्नेहा बत्रा संजय बोल्या आदि उपस्थित रहे। संभागियों की ओर से कमला चौधरी, शांतिलाल शर्मा, मुकेश चौबीसा,लखन शर्मा, गरिमा शर्मा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षण का समापन शनिवार 31 जनवरी को होगा।

## दरगाह क्षेत्र में दुकान में लगी भीषण आग, शॉर्ट सर्किट बना कारण, त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टला

स्मार्ट हलचल

**अजमेर।** अजमेर शहर के दरगाह क्षेत्र स्थित त्रिपोलिया गेट पुलिस चौकी के सामने शुक्रवार सुबह एक दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगने की यह घटना सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होना सामने आया है। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में दुकान का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया।

घटना की सूचना मिलते ही त्रिपोलिया गेट पुलिस चौकी के स्टाफ ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। वहीं दरगाह थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और एहतियातन सड़क के दोनों ओर से आवाजाही बंद कर दी,

ताकि किसी भी तरह की अनहोनी न हो और राहत कार्य में बाधा न आए।

फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। आग बुझाने में काफी समय लगा, क्योंकि दुकान में रखा सामान ज्वलनशील होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी। राहत की बात यह रही कि आग दुकान तक ही सीमित रही और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

दुकान के पीछे एक गेस्ट हाउस बना हुआ है। यदि आग वहां तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। समय रहते फायर ब्रिगेड के पहुंचने और पुलिस की सतर्कता से इस संभावित दुर्घटना को टाल दिया गया। घटना के दौरान आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन आग पर काबू पाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

आग लगने से दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। दुकान में रखा सामान, फर्नीचर और अन्य आवश्यक सामग्री जलकर राख हो गई। फिलहाल नुकसान का सही आकलन किया जा रहा है। पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा मौके पर जांच की जा रही है और आग लगने के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दरगाह क्षेत्र जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में बिजली के तारों और अग्नि सुरक्षा इंतजामों की नियमित जांच की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। प्रशासन ने भी आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस हादसे में किसी के हताहत न होने से लोगों ने राहत की सांस ली लेकिन यह घटना एक बार फिर शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत पर सवाल खड़े करती है।

## कांग्रेस नेताओं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया

स्मार्ट हलचल

**भवानी मंडी।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78 वीं पुण्यतिथि ब्लाक एवं नगर कांग्रेस कमेटी ने शहीद दिवस के रूप में मनाई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने गांधी जी के जीवन के बारे में जानकारी दी एवं दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई, सभी कार्यकर्ताओ ने गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर उपस्थित नगर कांग्रेस अध्यक्ष विनय आसतौलिया, विधानसभा प्रत्याशी चेतराज गहलोत, पंचायती राज संगठन जिला अध्यक्ष जोरावर सिंह चौहान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लोकेश गुप्ता, पार्षद हखिम ख़ान, हरीश राठौड़,राम बेरवा, राजिक अंसारी,प्रदेश कांग्रेस सेवादल सचिव अखूतर अली, ब्लाक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष आनंद काला, नगर उपाध्यक्ष हसीब चौधरी, अंकित लोढ़ा, विजय नाहर, जिला कोडिनेटर अविनाश परमार, नगर सेवादल अध्यक्ष राकेश चांवला, पूर्व पार्षद राजेन्द्र बेरवा, आदि उपस्थित रहे।

## देसी अंदाज़ से सोशल मीडिया पर छाईं प्रियंका यादव, अब राजनीति और समाज सेवा के मैदान में उतरने की तैयारी

स्मार्ट हलचल |इटावा

भर्थना क्षेत्र के ग्राम खितौरा की चर्चित सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर प्रियंका यादव आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। देसी अंदाज़ में गीतों और लोक संस्कृति से जुड़े वीडियो बनाकर उन्होंने सोशल मीडिया पर लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है। फेसबुक पर उनके लगभग 6 लाख फॉलोअर हैं, वहीं इंस्टाग्राम पर भी उनके फॉलोअर्स की संख्या 2 लाख से अधिक है। प्रियंका यादव का कंटेंट खास तौर पर ग्रामीण संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहता है, जिसकी वजह से वे तेजी से वायरल हुईं और एक बड़ी पहचान बनाई। प्रियंका यादव अब राजनीति में उतरने की तैयारी कर रही है वह अपनी ससुराल से जिला पंचायत चुनाव लड़ने की

तैयारी में जुटी है।

ग्राम खितौरा निवासी प्रियंका यादव की ससुराल औरैया जिला के विकास खंड एरवाकटरा के ग्राम मुर्चा में है उनके पति भारतीय सेना में कार्यरत हैं, जिससे उनके परिवार में देश सेवा की भावना पहले से ही मौजूद है। सेना परिवार से जुड़ाव के कारण उनमें अनुशासन, सेवा और राष्ट्रप्रेम की सोच स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के साथ-साथ प्रियंका यादव की सक्रियता राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें लखनऊ बुलाकर सम्मानित किया था, जिसे उनके जीवन की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस सम्मान के बाद उनके समर्थकों में और अधिक उत्साह देखने को मिला। अब प्रियंका यादव एरवाकटरा क्षेत्र से वार्ड संख्या द्वितीय से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। वे खुलकर कह चुकी हैं कि उनका उद्देश्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर समाज सेवा करना है। उनका कहना है कि क्षेत्र में महिलाओं, युवाओं और जरूरतमंद वर्ग के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में काम करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

प्रियंका यादव की लोकप्रियता का असर यह है कि क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं का एक बड़ा वर्ग उनके साथ जुड़ता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से वे लगातार लोगों की समस्याओं को उजागर करती रही हैं और अब उसी अनुभव को राजनीति और जनसेवा में इस्तेमाल करना चाहती हैं।

सोशल मीडिया से पहचान बनाने वाली प्रियंका यादव अब राजनीति और समाज सेवा के नए सफर पर निकलने को तैयार हैं। यदि वे चुनावी मैदान में उतरती हैं तो निश्चित रूप से उनका मुकाबला दिलचस्प होगा, क्योंकि उनके पास लोकप्रियता, युवा समर्थन और सेवा की स्पष्ट सोच मौजूद है। आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि सोशल मीडिया की यह स्टार जमीनी राजनीति में कितनी मजबूत भूमिका निभा पाती हैं।

## लायंस क्लब रॉयल भवानी मंडी ने मासिक सेवाओं के अंतर्गत गौ माता को चारा खिलाया और गरीबों को भोजन कराया

स्मार्ट हलचल

**भवानी मंडी।** लायंस क्लब रायल भवानी मंडी द्वारा अपनी मासिक सेवा गतिविधियों के तहत क्लब द्वारा महा के अंतिम सप्ताह में जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया एवं गो माता को हरा चारा खिलाया गया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष एम जे एफ कालु लाल सालेचा, लायन गणेश सालेचा, लायन चैन सिंह सिसौदिया, लायन अखूतर अली, लायन मनिष सालेचा, लायन अभय कुमार चौरड़िया, महेश कुमार बाफना, शितल जैन, भैरू लाल चौधरी, शितल जैन, सुमेर सिंह आदि मौजूद रहे।

## बानसूर व्यापार महासंघ का हुआ गठन

स्मार्ट हलचल |बानसूर

कस्बे के परशुराम भवन में व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें कस्बे के प्रमुख व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से बानसूर व्यापार महासंघ के गठन का निर्णय लिया गया। साथ ही यह तय किया गया कि आगामी 7 फरवरी को महासंघ के अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों का लोकतांत्रिक तरीके से चयन किया जाएगा। बैठक में व्यापारियों की एकता पर जोर देते हुए व्यापार से जुड़ी समस्याओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं, बाजार व्यवस्था, सुरक्षा, टैक्स और अन्य व्यावसायिक मुद्दों पर चर्चा की गई। व्यापारियों ने कहा कि संगठित महासंघ के माध्यम से उनकी आवाज प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी।

## पूर्व मंत्री जाड़ावत के नेतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

**चित्तौड़गढ़।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर स्थित सेटेलाइट हॉस्पिटल के गांधी वाटिका में बापू की प्रतिमा के सामने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर व ग्रामीण द्वारा पूर्व राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत के नेतृत्व में एवं विधानसभा प्रभारी संदीप पुरोहित की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया गया, जो अहिंसा, संवैधानिक मूल्यों एवं मनरेगा मज़दूरों की सक्रिय सहभागिता पर केंद्रित रहा।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस के तत्वाधान में साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल की धुन के साथ महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली एवं शांतिपूर्ण धरना कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व में विधानसभा प्रभारी संदीप पुरोहित की अध्यक्षता में सभी मौजूद कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीड परायी जाने रे की धुन के साथ गांधी तेरा यह बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान, महात्मा गांधी अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा बापू तेरा नाम रहेगा के नारो महात्मा गांधी जी को याद किया एवं उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

वरिष्ठ नेता प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, शहर अध्यक्ष अनिल सोनी, ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम जाट, प्रदेश सचिव रणजीत लोट, पूर्व सभापति रमेशनाथ योगी, उप सभापति कैलाश पंवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## बानसूर में बंदरों का आतंक, प्रशासन ले रहा नींद

स्मार्ट हलचल | बानसूर

क्षेत्र में बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को किसान कॉलोनी में बंदरों के झुंड ने एक युवक पर हमला कर दिया, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। किसान कॉलोनी निवासी सोनीराम सूबेदार के पुत्र राजेश दोपहर करीब 2:15 बजे घर की छत पर बने कमरे में पढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान छत पर हलचल होने पर बाहर निकलते ही बंदरों ने उन पर हमला कर दिया। युवक किसी तरह जान बचाकर कमरे में भागा। इसी कॉलोनी में बंदरों के हमले में उगम कंवर और कमलेश नामक दो महिलाएं भी घायल हो गईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। घटना से आक्रोशित कॉलोनीवासियों ने नगर पालिका ईओ विशाल यादव को ज्ञापन सौंपा। ईओ ने जल्द ही बंदरों को पकड़वाने का आश्वासन दिया।

## खेल प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष बने अजीम खान चिनायटा

स्मार्ट हलचल

**हिंडौन।** राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा,खेल प्रकोष्ठ के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान के निर्देशानुसार करौली जिला अध्यक्ष पुनः सिंह मीणा ने करौली जिले की जिला कांग्रेस कमेटी (खेल प्रकोष्ठ) की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए चिनायटा निवासी अजीम खान चिनायटा को जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। खान की नियुक्ति पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर करौली जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, करौली पूर्व विधायक लाखन सिंह कटकड, हिंडौन विधायक अनीता जाटव,

अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष अब्दुल मुगनी खान, लखनलाल मीणा तथा जिले के तमाम कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बधाई प्रेषित की तथा हर्ष जताया। इस अवसर पर अजीम खान चिनायटा ने प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष व समस्त कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

## कोटा-रामगंजमंडी-भवानीमंडी रेलखंड में सघन टिकट जाँच अभियान

### बिना टिकट यात्रा व अवैध वेंडिंग पर कार्रवाई, 212 प्रकरणों में 63,020 का जुर्माना

स्मार्ट हलचल|कोटा

यात्रियों में अनुशासन सुनिश्चित करने तथा बिना टिकट यात्रा और अवैध वेंडिंग पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल द्वारा कोटा-रामगंजमंडी-भवानीमंडी रेलखंड पर एक दिवसीय सघन टिकट जाँच अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा, अनियमित टिकट तथा अवैध वेंडिंग से जुड़े कुल 212 प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के अंतर्गत किराया एवं जुर्माने के रूप में कुल 63,020

(तिरेसठ हजार बीस रुपये मात्र) लिए गये । यह अभियान यात्रियों को सुव्यवस्थित, निष्पक्ष एवं सुरक्षित यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित किया गया।

जाँच अभियान के अंतर्गत रामगंजमंडी एवं भवानीमंडी रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्म क्षेत्रों की भी सघन जाँच की गई, ताकि स्टेशन परिसर में अनधिकृत गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

इस अभियान में टिकट जाँच दल के रूप में मुख्य टिकट निरीक्षक श्री लक्ष्मीकांत मीना, उप मुख्य टिकट निरीक्षक श्री दीपक शर्मा, वाणिज्य लिपिक-सह-टिकट संग्राहक श्रीमती विष्णु कुमारी, श्री हेमेंद्र मीना, श्री उमेश कुमार, श्री ऋषभ कुमार, टिकट निरीक्षक श्री रामेश्वर मेहरा, रेल सुरक्षा बल के कांस्टेबल श्री जगदीश सिंह एवं श्री मंजीत चौधरी शामिल रहे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने यात्रियों से अपील की है कि रेल यात्रा के दौरान सदैव वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा रेलवे नियमों का पालन करें। यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए कोटा मंडल में इस प्रकार के सघन टिकट जाँच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

# आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: आत्मनिर्भर भारत की विकास का नया अध्याय

विनोद कुमार सिंह

**भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।**

भारत की आर्थिक विकास यात्रा केवल आँकड़ों और बजट घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राष्ट्र की जीवंत कथा है जो निरंतर संघर्ष,नवाचार और आत्मविश्वास के सहारे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को मजबूत करता जा रहा है।वित्त मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है,जो न केवल देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करता है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।आर्थिक सर्वेक्षण किसी भी देश के लिए एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियाँ, आर्थिक सुधारों की दिशा और आने वाले वर्षों की विकास रणनीति प्रतिबिंबित होती है। वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण भारत की उस परिवर्तनशील तस्वीर को सामने लाता है,जहाँ देश तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर में निरंतर मजबूती देखी गई है। विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,कृषि,डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढाँचे में हो रहे तीव्र निवेश ने भारत की विकास गति को नई ऊर्जा दी है। आर्थिक सर्वेक्षण यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

इस सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों और सुधारों का विशेष उल्लेख है, जिन्होंने निवेश वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया है। 'मेक इन इंडिया' ,'आत्मनिर्भर भारत', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' .जैसी पहलों ने भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से वैश्विक मंदी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भी मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 देश की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण करता है और भविष्य के संभावित विकास मार्ग को स्पष्ट करता है।यह दस्तावेज न केवल आंकड़ों का संकलन है,बल्कि नीति निर्धारण और रणनीतिक सोच का मार्गदर्शक भी है।मैंने अपने इस आलेख में मुख्यतः जी डी पी विकास दर, प्रमुख आर्थिक सेक्टरों के योगदान और सतत विकास की चुनौतियों पर चर्चा की जा रही है। भारत की जी डी पी विकास दर एक सकारात्मक परिदृश्य प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण और सरकारी अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक विकास दर करीब 7.4% रहने का अनुमान है,जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गतिशीलता दशार्ता है।यह अनुमान सांख्यिकी मंत्रालय की प्रथम अग्रिम अनुमान रिपोर्ट

से लिया गया है,जिसमें जी डी पी वृद्धि दर को 7.4% बताया गया है।इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने 6.3% से 6.8% की रेंज का अनुमान जताया था,लेकिन वास्तविक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों के आधार पर यह रफ्तार बढ़ी है।इस 7.4% वृद्धि दर का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनी हुई है,खासकर जब अन्य उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है।यह वृद्धि घरेलू खपत, निवेश,विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती के कारण संभव हुई है।आर्थिक ढाँचे की दृष्टि से जी डी पी की कुल वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख सेक्टरों के आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर आधारित हैं। इनके माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि केन्द्रित और संतुलित है, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों तक सीमित।सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्तंभ है।सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं का योगदान जी डी पी में सबसे ऊँचा रहा और यह क्षेत्र लगभग 9.9% की वृद्धि दर से आगे बढ़ा।इसमें वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट,पेशेवर सेवाएँ और प्रशासनिक सेवाएँ शामिल हैं। व्यापार,होटल,परिवहन और संचार जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी 7.5% से अधिक वृद्धि दर दर्ज की।यह उच्च वृद्धि इस बात को दशार्ती है कि भारत में घरेलू मांग मजबूत है और उपभोक्ता खर्च तथा डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग में वृद्धि ने अर्थव्यवस्था की धुरी को और मजबूत किया है।डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक शक्ति का नया आधार बन चुकी है।यूपीआई,डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और स्टार्टअप संस्कृति ने भारत को तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर किया है।डिजिटल सेवाओं का विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।भारत में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विकास भी संतोषजनक रहा है। इन दोनों सेक्टरों का संयुक्त वृद्धि दर लगभग 7.0% दर्ज किया गया है,जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की उत्पाद-आधारित वृद्धि में निरंतर सुधार हो रहा है। इसका विश्लेषण यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' पहल और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का असर वास्तविक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को मजबूत स्थिति प्रदान की है।निर्माण क्षेत्र में भी तेज गति से विस्तार हुआ है। आवास, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ,सड़क और रेलवे नेटवर्क का विकास भारत की आधारभूत संरचना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहा है। इससे न केवल निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।कृषि क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर लगभग 3.1% रही, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिरता का संकेत है।हालांकि कृषि का योगदान जी डी पी में सेवा और विनिर्माण की तुलना में कम है,इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण मांग का समर्थन,खाद्यान्न आपूर्ति की स्थिरता और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि कृषि क्षेत्र की विशेष भूमिका को दशार्ते हैं।सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने,सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार,कृषि तकनीक के उपयोग और ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के प्रयास इस क्षेत्र को भविष्य में और मजबूत करेंगे।उपयोगिता सेवाओं जैसे बिजली, गैस,जल आपूर्ति और संबंधित क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई है,हालांकि यह लगभग 2.1% रही।यह अपेक्षित है क्योंकि इस क्षेत्र की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी होती है।ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर भारत हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जी डी पी विकास दर के अलावा आर्थिक सर्वेक्षण ने कुछ अन्य प्रमुख संकेतक भी सामने रखे हैं, जो समग्र आर्थिक स्वास्थ्य को दशार्ते हैं। वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7.0% की वृद्धि दर्ज हुई,जो उपभोक्ता खर्च की उच्च गति का संकेत है।इसके अलावा स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग 7.8% की वृद्धि हुई, जो निवेश गतिविधियों में सुधार का सूचक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि न केवल उपभोक्ता मांग मजबूत है, बल्कि उद्योगों द्वारा पूंजीगत निवेश भी बढ़ रहा है,जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकारी निवेश 2018 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक लगभग 4.2 गुणा बढ़ा है।राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार,उच्च-गति मार्गों का निर्माण और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार अर्थव्यवस्था की सामयिक क्षमता को बढ़ा रहे हैं। इन बुनियादी ढाँचों के विस्तार से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, कारोबार में सुगमता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है,जो दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए केंद्रीय है।भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता अर्जित की है। पिछले वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति 4.9% के आसपास रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य के पास थी और यह आर्थिक स्थिरता का संकेत है। इसके अतिरिक्त विदेशी निवेश, निर्यात और व्यापार संतुलन में सुधार की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं,जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत हुई है। भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं।वैश्विक बाजार की अस्थिरता,ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव कुछ जोखिम कारक हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकते हैं।परंतु सरकार द्वारा लगातार नीतिगत सुधार,बाजार- सशक्तिकरण और निवेश-उन्मुख उपायों से इन जोखिमों को कम करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।संक्षेप में भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025- 26 यह स्पष्ट करता है कि भारत विश्व की प्रमुख तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।जी डी पी वृद्धि दर का 7.4% तक पहुँचना, सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्रों की मजबूती, कृषि की स्थिर प्रगति, निवेश एवं पूंजीगत व्यय की उच्च गति और बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय विस्तार यह दशार्ते हैं कि भारत ने आत्मिक विकास,आर्थिक संतुलन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के तीनों स्तंभों पर मजबूत प्रगति की है।

यह सर्वेक्षण केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सुधरे हुए, समावेशी और दीर्घकालिक विकास मार्ग का मार्गदर्शक है,जो आर्थिक निर्णयों, बजट नीतियों, निवेश योजनाओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है।आज भारत सफलता के पथ पर अग्रसर है,एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्षम है। विकसित भारत का सपना अब केवल लक्ष्य नहीं,बल्कि ठोस प्रयासों और निरंतर प्रगति के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

## संपादकीय

### भारत-यूरोप 'मदर डील'

अंततः भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया। करीब 19 साल की माथापच्ची, उधेड़बुन, असमंजस, सवाल समाप्त हुए और दोनों लोकतांत्रिक शक्तियां ह्यमदर डीलह्ल पर सहमत हुईं। आपस में हस्ताक्षर कर दिए गए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर ने इस सर्वाधिक व्यापक ह्यमुक्त व्यापार समझौतेह्ल (एफटीए) की घोषणा कर नई विश्व-व्यवस्था की बुनियाद रख दी। व्यापक और विश्व व्यवस्था परिवर्तनकारी इसलिए माना जा सकता है, क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक एफटीए के दायरे में होगी। भारत-यूरोप की अर्थव्यवस्था दुनिया की जीडीपी की 25 फीसदी है और दुनिया का एक-तिहाई व्यापार दोनों के बीच है, जिसे 2032 तक 40 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय संघ विश्व की दूसरी (27 देशों को मिला कर) और भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा यह ह्यमदर डीलह्ल ही है। इस एफटीए से अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की ह्यटैरिफ दादागीरीह्ल का बड़ा रचनात्मक और शालीन जवाब दिया गया है। इसके अलावा, चीन के समानांतर भारत को ह्यइनोवेशन एंड मैन्यूफैक्चरिंग हबह्ल बनाने का लक्ष्य तय कर चीनी वर्चस्व को भी चुनौती दी गई है, लिहाजा वाकई यह ह्यमदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्सह्ल है। चीन में करीब 1700 यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं। क्या अब वे भारत शिफ्ट हो सकती हैं? इसकी प्रबल संभावना बन गई है। गौरतलब यह है कि जब 2027 में यह एफटीए यूरोप के सभी 27 देशों में लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 फीसदी से अधिक उत्पाद, सामान या तो ह्यटैरिफ-मुक्तह्ल होंगे अथवा रियायती शुल्क ही देना पड़ेगा। मसलन- जैतून का तेल, वनस्पति तेल, ऑप्टिकल उपकरण, मशीनरी, रासायनिक एवं सर्जिकल उपकरण, फार्मा (खासकर जेनेरिक दवाएं), वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, चॉकलेट, पास्ता आदि लंबी सूची है। अधिकतर उत्पादों और उपकरणों को ह्यटैरिफ-मुक्तह्ल तय किया गया है। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर के यूरोपीय बाजार में 2030 तक भारतीय उत्पादों का निर्यात 300 अरब डॉलर तक ले जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

चिंतन-मनन

### एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

# हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल

02 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया। गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?'

जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

# कुष्ठ रोग के खिलाफ सरकार की निर्णायक लड़ाई, जागरूकता, इलाज और सम्मान की ओर भारत

कांतिलाल मांडोत

कुष्ठ रोग जिसे हैनसेन रोग भी कहा जाता है, मानव इतिहास की सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज भी यह बीमारी केवल स्वास्थ्य की नहीं बल्कि सामाजिक सोच की भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से ज्यादा उस भेदभाव, उपेक्षा और सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है, जो अज्ञानता और भय से जन्म लेता है। इसी सोच को बदलने और समाज को यह संदेश देने के लिए कि कुष्ठ रोग पूरी तरह इलाज योग्य है, भारत में हर वर्ष 30 जनवरी को राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है। यह दिन महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवन में कुष्ठ रोगियों के साथ न केवल सहानुभूति दिखाई बल्कि उनके सम्मान और पुनर्वास के लिए भी लगातार काम किया।

विश्व स्तर पर कुष्ठ रोग जागरूकता दिवस जनवरी के अंतिम रविवार को मनाया जाता है, जिसकी शुरूआत वर्ष 1954 में फ्रांसीसी मानवतावादी राउल फोलेरो ने की थी। भारत में इसे 30 जनवरी को मनाने का उद्देश्य गांधीजी के मानवीय मूल्यों और कुष्ठ रोगियों के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करना है। यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकार और समाज दोनों के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम वास्तव में कुष्ठ रोग से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त कर पा रहे हैं या नहीं।

आज के भारत की बात करें तो कुष्ठ रोग की स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में इस समय लगभग 80 से 90 हजार सक्रिय कुष्ठ रोगी उपचाराधीन हैं। हर वर्ष करीब एक लाख से थोड़ा अधिक नए मामले सामने आते हैं, जो कुल वैश्विक मामलों का लगभग आधे से ज्यादा हिस्सा है। हालांकि यह आंकड़ा सुनने में बड़ा लग सकता है, लेकिन जनसंख्या के अनुपात में देखें तो भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग उन्मूलन की स्थिति हासिल कर ली है। इसका अर्थ यह है कि देश में प्रति दस हजार की आबादी पर एक से कम सक्रिय मामला है। फिर भी सरकार मानती है कि जब तक एक भी व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित है और सामाजिक भेदभाव का शिकार है, तब तक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ माना जा सकता।

भारत सरकार पिछले कई दशकों से कुष्ठ रोग के खिलाफ सुनियोजित और निरंतर प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सरकार का मुख्य जोर रोग की शीघ्र पहचान, समय पर मुफ्त इलाज और विकलांगता की रोकथाम पर है। कुष्ठ रोग का इलाज मल्टी ड्रग थेरेपी के माध्यम से किया जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से देशभर में पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। यह इलाज न केवल रोग को ठीक करता है बल्कि संक्रमण को आगे फैलने से भी रोकता है। सरकार का यह स्पष्ट संदेश है कि कुष्ठ रोग कोई अभिशाप नहीं बल्कि एक सामान्य बैक्टीरियल संक्रमण है, जिसका समय पर इलाज होने पर व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकता है।

बीते कुछ वर्षों में सरकार ने कुष्ठ रोग की पहचान को और मजबूत करने के लिए कई नए कदम उठाए हैं। घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना, उच्च जोखिम वाले इलाकों में विशेष खोज अभियान चलाना और संपर्क में आए लोगों की जांच करना इन प्रयासों का हिस्सा है। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि और शिक्षक भी इस अभियान से जोड़े गए हैं, ताकि कोई भी संदिग्ध मामला छूट न जाए। सरकार का मानना है कि शुरूआती चरण में रोग की पहचान हो जाने से न केवल इलाज आसान होता है बल्कि स्थायी विकलांगता की संभावना भी लगभग समाप्त हो जाती है।

केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारें भी कुष्ठ रोग के खिलाफ अपनी भूमिका निभा रही हैं। कई राज्यों ने कुष्ठ रोग को अधिसूचित बीमारी घोषित किया है, जिससे हर मामले की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो गई है। इससे आंकड़ों की पारदर्शिता बढ़ी है और इलाज की पहुंच बेहतर हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को आयुष्मान भारत और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी समय पर इलाज मिल सके। विशेष रूप से आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों पर सरकार का अतिरिक्त फोकस है, जहां आज भी जागरूकता की कमी के कारण रोग देर से पकड़ में आता है।

सरकार की नीति केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन भी इसका अहम हिस्सा है। कुष्ठ रोग से ठीक हो चुके लोगों के लिए कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का यह प्रयास है कि रोग से मुक्त होने के बाद व्यक्ति को समाज में दोबारा स्वीकार किया जाए और उसे किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना न करना पड़े। इसी दिशा में भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए भी काम किया जा रहा है।

कुष्ठ रोग निवारण में जागरूकता की भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस दौरान देशभर में जनसभाएं, स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों में कार्यक्रम और मीडिया के माध्यम से लोगों को यह बताया जाता है कि त्वचा पर सफेद या लाल चकत्ते, सुन्नपन या नसों में कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। नूंह जिले में इस वर्ष भी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है, ताकि एक भी मरीज इलाज से वंचित न रहे।

सरकार की प्रासंगिकता आज इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि सामाजिक सोच बदलने का काम केवल कानून या योजनाओं से नहीं होता। इसके लिए निरंतर संवाद, शिक्षा और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। सरकार का प्रयास है कि कुष्ठ रोग को लेकर फैली भ्रांतियों को खत्म किया जाए और यह समझ विकसित की जाए कि रोगी नहीं बल्कि बीमारी से लड़ना है। जब समाज रोगियों को अपनाता है, तभी सरकार की योजनाएं भी पूरी तरह सफल हो पाती हैं। आज जब हम राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मना रहे हैं, तब यह जरूरी है कि हम केवल आंकड़ों और योजनाओं तक सीमित न रहें। हमें यह समझना होगा कि कुष्ठ रोग के खिलाफ लड़ाई केवल स्वास्थ्य विभाग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। सरकार ने अपनी भूमिका निभाते हुए मुफ्त इलाज, जागरूकता अभियान और पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था खड़ी की है। अब समाज की बारी है कि वह भेदभाव को त्यागे और कुष्ठ रोग से प्रभावित हर व्यक्ति को सम्मान और समानता का अधिकार दे। यही इस दिवस का असली संदेश है और यही एक स्वस्थ, संवेदनशील और समावेशी भारत की पहचान भी।

# सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

**सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।**

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

## हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम,एक हफ्ते में दिखेगा असर

**वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।**

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फ्लक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

# स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

**गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।**

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

### कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

### इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

### ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

## साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

**अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।**

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

## सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com